R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 145
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 2 फरवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 माघी पूर्णिमा के अवसर पर सकुशल स्नान संपन्न
5 बाँदा को छः विकेट हराकर सेवाश्रम इंटर कॉलेज ...
7 मौका मिलते ही तीसरा ब्याह रचाएगी परी, ...

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ ट्रेन का वीडियो, जनरल कोच में दो महिलाओं के बीच जमकर हुई लड़ाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया आज लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। लाखों लोग हर दिन घंटों सोशल प्लेटफॉर्म पर समय बिताते हैं, जहां मनोरंजन से लेकर खबरों तक हर तरह के वीडियो सामने आते रहते हैं। इसी कड़ी में इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोग हैरान भी हैं और अपनी-अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

वायरल हो रहे इस वीडियो में ट्रेन के जनरल कोच का दृश्य नजर आता है। इसमें दो महिलाएं आपस में झगड़ती दिखाई दे रही हैं। दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ जाती है कि मामला हाथापाई तक पहुंच जाता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों महिलाएं एक-दूसरे पर हमला करती रहती हैं। यह साफ नहीं हो पाया है कि दोनों

के बीच विवाद किस वजह से शुरू हुआ, लेकिन लड़ाई काफी देर तक चलती रही। कुछ यात्रियों ने उन्हें शांत कराने और अलग करने की कोशिश भी की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

जनरल कोच में मौजूद अन्य यात्री कुछ देर तक यह झगड़ा देखते रहे। लड़ाई के चलते कोच में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि पूरी घटना के दौरान दोनों महिलाएं लगातार लड़ती रहीं और स्थिति काबू में नहीं आई।

यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर घरकेकलेश नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। खबर लिखे जाने तक इस वीडियो को 56 हजार से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। किसी ने लिखा कि ट्रेन को ही छोड़ देना चाहिए, तो किसी ने हैरानी जताते हुए लिखा– हे भगवान। वहीं कुछ यूजर्स ने इसे जनरल क्लास की आम घटना बताया। इस तरह के वीडियो सोशल मीडिया पर अक्सर तेजी से वायरल हो जाते हैं, क्योंकि लोग रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े ऐसे दृश्य देखकर उत्सुक हो जाते हैं। यही वजह है कि ट्रेन, बस या सार्वजनिक जगहों के झगड़ों के वीडियो अक्सर चर्चा का विषय बन जाते हैं।

ममता बनर्जी ने मुझसे नफरती भाषण दिलवाया, हुमायूं कबीर का सनसनीखेज खुलासा

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पूर्व विधायक और जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की जीत का दावा करते हुए कहा कि 'टीएमसी निश्चित रूप से हारेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाने का आरोप भी लगाया। मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम के बाद एएनआई से बात करते हुए कबीर ने कहा, '...हम उन्हें (टीएमसी को) हराने की कोशिश करेंगे...इस चुनाव में टीएमसी निश्चित रूप से हारेगी...उस समय (लोकसभा चुनाव के लिए टीएमसी के प्रचार के दौरान), मैंने कुछ ऐसी बातें कही थीं ताकि उनके (टीएमसी के) उम्मीदवार (यूसुफ पठान) की जीत सुनिश्चित हो सके।

इससे पहले कार्यक्रम में कबीर ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कथित रूप से फूट डालो और राज करो की राजनीति करने के लिए आलोचना की। कबीर ने 2024 वाली अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर उन्हें वह भाषण देने के लिए मजबूर किया गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुओं से नफरत नहीं की।

योगी आदित्यनाथ, यह उत्तर प्रदेश नहीं है। यह मुर्शिदाबाद है। हम मुर्शिदाबाद में रहते हैं और हम फूट डालो और राज करो की राजनीति में विश्वास नहीं करते। लेकिन अगर आप यहां खड़े होकर हमें धमकाते रहेंगे, तो सूचना लीक होगी और भाजपा नेताओं को भागीरथी नदी में फेंक दिया जाएगा। मुझे खेद है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं। हुमायूं कबीर कभी भी जानबूझकर ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। जब गुस्सा शांत हो जाएगा, तो आप समझ जाएंगे कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। 1 मई 2024 को दिए गए बयानों के लिए मुझे खेद है। कई हिंदू मानते हैं कि मैं हिंदुओं से नफरत करता हूं, लेकिन 63 साल की उम्र में, 42 साल के राजनीतिक अनुभव के साथ, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया। जब मुर्शिदाबाद एसपी देवास की दिनदहाड़े हत्या कर दी गई, तो 20, 000 मुसलमानों को मृतक का शव लेने की अनुमति नहीं दी गई। उस समय मैं गरियाहाट में था। एसपी ने मुझे फोन किया और मैं तुरंत यहां आ गया। फिर भी उन्होंने जुलूस रोक दिया।

जनवरी में, हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा क्षेत्र में हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर पुलिस कार्रवाई का जोरदार समर्थन करते हुए कहा था कि 'गलत काम में शामिल किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह मेरी पार्टी का हो या किसी अन्य पार्टी का, बख्शा नहीं जाना चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने का प्लान वित्त मंत्री बोलीं- सुधारों का सिलसिला जारी रहेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट के बाद अपनी पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सरकार विकास की गति को बनाए रखने के लिए अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने वित्त मंत्रालय के सभी सचिवों के साथ कहा कि मुख्य रूप से, हम संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो जारी रहेगा। सुधार किए जा चुके हैं। हम सुधार गतिविधियों को जारी रख रहे हैं। इसका उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाने और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त वातावरण बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि 21वीं सदी पूरी तरह से प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित है। इसलिए हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रौद्योगिकी का लाभ आम आदमी को मिले।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि शहर भारत के विकास, नवाचार और अवसरों के इंजन हैं। सरकार अब द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों, और यहां तक कि मंदिर-नगरों पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिन्हें आधुनिक बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है। इस बजट का उद्देश्य विशिष्ट विकास कारकों के आधार पर शहरी आर्थिक क्षेत्रों (सीईआर) का मानचित्रण करके शहरों की आर्थिक शक्ति को और अधिक बढ़ाना है। सुधार-सह-परिणाम आधारित वित्तपोषण तंत्र के साथ चुनौती मोड के माध्यम से उनकी योजनाओं को लागू करने के लिए 5 वर्षों में प्रति सीईआर 5000 करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव है।

वित्त मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रति शहर प्रति वर्ष 1000 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं, और मुख्य जोर द्वितीय और तृतीय स्तर के शहरों पर होगा। वित्त मंत्री ने बजट के दो महत्वपूर्ण पहलुओं, सेमीकंडक्टर मिशन और इलेक्ट्रॉनिक घटक निर्माण योजना पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर मिशन में दो प्रमुख घोषणाएं की गई हैं जिनसे भारत की ऊर्जा क्षमता और बौद्धिक संपदा संबंधी मामलों में सुधार होगा। 40, 000 करोड़ रुपये की इलेक्ट्रॉनिक घटक निर्माण योजना इलेक्ट्रॉनिक्स को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। हमने दुर्लभ पृथ्वी गलियारों की स्थापना की भी घोषणा की है ताकि भारत अपनी सामग्रियों की आवश्यकताओं को स्वयं पूरा कर सके। इसलिए, एक बार जब हम इन खनिजों की पहचान कर लेंगे, उनका अन्वेषण और प्रसंस्करण कर लेंगे और उन्हें हमारे लिए उपलब्ध करा लेंगे, तो दुर्लभ खनिजों को आयात करने के लिए बाहरी स्रोतों पर हमारी निर्भरता कम हो जाएगी।

उन्होंने कहा कति हमने उन राज्यों की पहचान कर ली है जहां हम ये दुर्लभ खनिज गलियारे स्थापित करना चाहते हैं। ये गलियारे ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में होंगे। इसलिए ये बहुत महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं और इनका भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुआयामी प्रभाव पड़ेगा। चुंबक और दुर्लभ खनिजों पर हमारी निर्भरता कम हो जाएगी। 2026-27 के बजट में, गैर-ऋण प्राप्तियां और कुल व्यय क्रमशः 36.5 लाख करोड़ रुपये और 53.5 लाख करोड़ रुपये अनुमानित हैं। केंद्र की शुद्ध कर प्राप्तियां 28.7 लाख करोड़ रुपये अनुमानित हैं।

भाजपा का बजट सिर्फ 5 प्रतिशत लोगों के लिए, इसमें न आम जनता का जिक्र है और न ही फिक्र : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। केंद्रीय बजट पेश होने के बाद शेयर मार्केट में आई गिरावट को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'हमने पहले ही कहा था, सवाल यह नहीं है कि बाज़ार कब खुलेगा, सवाल यह है कि और कितना गिरेगा।' अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने बयान जारी कर कहा कि जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से जनता को कोई उम्मीद नहीं है, तो उसके बजट से भी क्या अपेक्षा की जा सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का हर बजट '1/20 का बजट' होता है, क्योंकि यह केवल 5 प्रतिशत लोगों के हित में तैयार किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह बजट अपने कमीशन और अपने लोगों को सेट करने का दस्तावेज़ है तथा इसे 'भाजपाई भ्रष्टाचार की अदृश्य खाता-बही' बताया। सपा अध्यक्ष का कहना है कि इस बजट में न आम जनता का जिक्र है और न ही उनकी फिक्र। महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि बेतहाशा बढ़ती कीमतों के बावजूद आम लोगों को टैक्स में कोई राहत नहीं दी गई, जो सीधे तौर पर 'टैक्स-शोषण' है। वहीं दूसरी ओर अमीरों के कारोबार और घूमने-फिरने पर कई तरह की छूटें दी गईं, जबकि बेकारी और बेरोज़गारी से जूझ रहे युवाओं व आम नागरिकों की उम्मीदों की थाली खाली रह गई। उन्होंने बजट को 'निराशाजनक और निंदनीय' बताते हुए कहा कि यह आम आदमी की ज़रूरतों से पूरी तरह कटा हुआ है।

बजट 2026-27 दिशाहीन है, इसमें दूरदर्शिता का अभाव : ममता बनर्जी

कोलकाता। बजट पेश होने से पहले, आम आदमी से लेकर बाजार विशेषज्ञों तक, सभी के मन में कई तरह की अपेक्षाएं होती हैं। लोक लुभावनी घोषणा का जनता बेसब्री से इंतजार कर रही होती है। पिछले कुछ महीनों में सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए देश का आम बजट पेश किया। एक तरफ जहां केंद्रीय मंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी नेताओं ने बजट की सरहाना की और इसे दूरदर्शी बताया। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे दिशाहीन बताया। केंद्रीय बजट 2026-27 दिशाहीन है, इसमें दूरदर्शिता का अभाव है और बजट में आम आदमी के लिए कुछ भी नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय बजट को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इसमें शिक्षा क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया गया है और इसने लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है। उन्होंने केंद्र पर जानबूझकर पश्चिम बंगाल को आवंटन में नजरअंदाज करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा को आगामी विधानसभा चुनावों में हार की आशंका के चलते राज्य को दरकिनार किया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026 में कर संबंधी कई प्रस्तावों की घोषणा की, जिनका उद्देश्य जीवनयापन को सुगम बनाना, अनुपालन को सरल बनाना और आम करदाताओं को राहत प्रदान करना है। संसद में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का ध्यान आयकर प्रणाली को सरल और नागरिक-हितैषी बनाने पर है। इसी प्रयास के तहत उन्होंने घोषणा की कि मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा किसी व्यक्ति को दिया गया कोई भी ब्याज आयकर से मुक्त होगा। इस कदम से दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि कर कटौती के कारण प्राप्त मुआवजे में कोई कमी न आए।

सीतारामन ने विदेश यात्रा पर लगने वाले कर (टीसीएस) में भी भारी कमी की घोषणा की। उन्होंने विदेशी पर्यटन पैकेजों की बिक्री पर टीसीएस दर को घटाकर 2 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा। वर्तमान में टीसीएस दरें 5 प्रतिशत और 20 प्रतिशत हैं। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि 2 प्रतिशत की घटी हुई दर बिना किसी राशि की सीमा के लागू होगी, जिससे विदेशी यात्रा लेनदेन करदाताओं के लिए सरल और कम बोझिल हो जाएंगे।

केंद्रीय बजट पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की तारीफ

बोले- ज्ञान फॉर्मूले से बनेगा 'विकसित भारत'

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि इसमें गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट का उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि इस बजट में गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। विशेष रूप से, बजट की दिशा और उद्देश्य भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करना है। इसमें आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी गई है। भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए पर्याप्त प्रावधान भी किए गए हैं।

आरपीआई सांसद रामदास अठावले ने केंद्रीय बजट को क्रांतिकारी बताते हुए कहा कि यह समाज के सभी वर्गों को संबोधित करता है और सामाजिक और आर्थिक न्याय प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। अठावले ने एएनआई को बताया कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट क्रांतिकारी है क्योंकि यह समाज के हर वर्ग को छूता है। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय दोनों प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में अपना लगातार नौवां केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया।

केंद्रीय बजट 2026-27 को 'युवशक्ति' से प्रेरित और 'तीन कर्तव्य' पर आधारित बताते हुए, सीतारमण ने अगले पांच वर्षों में सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, नए समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और 20 राष्ट्रीय जलमार्गों को चालू करने का प्रस्ताव रखा। केंद्रीय बजट में पर्यावरण के अनुकूल यात्री परिवहन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है और प्रमुख शहरी और आर्थिक केंद्रों के बीच सात हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव है। ये कॉरिडोर विकास को जोड़ने का काम करेंगे, जिससे यात्रा का समय कम होगा, उत्सर्जन घटेगा और क्षेत्रीय विकास को समर्थन मिलेगा।

प्रस्तावित मार्गों में मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-बेंगलुरु, हैदराबाद-चेन्नई, चेन्नई-बेंगलुरु, दिल्ली-वाराणसी और वाराणसी-सिलीगुड़ी शामिल हैं। ये सभी कॉरिडोर मिलकर भारत के वित्तीय केंद्रों, प्रौद्योगिकी केंद्रों, विनिर्माण समूहों और उभरते शहरों को तेज और स्वच्छ परिवहन से जोड़ेंगे।

पीएम मोदी पहुंचे डेरा सचखंड बल्लां, संत निरंजन दास जी के पैर छूकर लिया आशीर्वाद

चण्डीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पंजाब के आदमपुर हवाई अड्डे का दौरा किया और हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर' रखा। पीएम मोदी ने पंजाब के लुधियाना स्थित हलवारा हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन किया। पीएम मोदी संत गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर पंजाब आए थे। आदमपुर हवाई अड्डे का नाम बदलकर इस पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि अर्पित की गई है, जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं।

पीएम द्वारा हलवारा हवाई अड्डे पर उद्घाटन किया गया टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक और कृषि प्रधान क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेगा। लुधियाना जिले में स्थित हलवारा में भारतीय वायु सेना का एक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्टेशन भी है। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज माघ पूर्णिमा की पवित्र तिथि है। श्री गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती का पावन अवसर है। इस पुण्य पर्व पर आज मुझे आप सभी के बीच आने का सौभाग्य मिला है। मैं इस पवित्र मंच से श्री गुरु रविदास जी को प्रणाम करता हूं और आप सभी को औ? सभी देशवासियों को संत रविदास जयंती और माघ पूर्णिमा की शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा रिश्ता श्री गुरु रविदास जी की जन्मभूमि काशी से है। काशी के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिए और सांसद के रूप में काशी की सेवा करने का भी मुझे सौभाग्य मिला। मैं जब भी सीर गोवर्धनपुर जाता हूं, बड़ी संख्या में मुझे पंजाब के भाई बहनों से मिलने का भी सौभाग्य मिलता है। मैं इस बार संत रविदास जी की प्रेरणा भूमि पंजाब की वीर भूमि पर आया हूं। मैं मानता हूं कि ये श्री गुरु रविदास जी की ईच्छा है और मेरा बहुत सौभाग्य है। मैं इस आयोजन में निमंत्रित करने के लिए डेरा सचखंड बल्ला का आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में डेरा सचखंड बल्लां के कार्य बहुत सराहनीय रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य से जुड़े अनेक कार्य पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज के मार्गदर्शन में अविरत हो रहे हैं। उनके नेतृत्व में दुनिया के कई देशों में श्री गुरु रविदास जी के विचारों का प्रसार भी हुआ है। इस योगदान को सम्मान देने के लिए अभी हाल ही में हमारी भाजपा की केंद्र सरकार ने पूज्य संत श्री निरंजन दास जी महाराज को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर मैं उन्हें आदरपूर्वक नमन करता हूं।

मोदी ने कहा कि संत रविदास जी ने हमें सेवा का जो मार्ग दिखाया है उस प्रेरणा को इससे और ऊर्जा मिली है। मैं इस स्नेह के लिए आप सभी का हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद करता हूं। अबसे थोड़ी देर पहले संत रविदास जी के नाम पर आदमपुर एयरपोर्ट का नया नामकरण हुआ है। आदमपुर एयरपोर्ट को अब श्री गुरु रविदास महाराज जी एयरपोर्ट के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा, हलवारा एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन हुआ है।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि संत रविदास जी के आशीर्वाद से हम विकसित भारत के लक्ष्य को जरूर पाकर रहेंगे। आज सुबह ही संसद में देश का बजट प्रस्तुत किया गया है। ये बजट, गरीब, अन्नदाता, युवाशक्ति और नारीशक्ति को और सशक्त करने वाला बजट है। ये बजट गांव को मजबूत करने का बजट है। ये किसान की आय बढ़ाने वाला बजट है।

बसपा प्रमुख मायावती ने संत रविदास की जयंती पर किया नमन, कहा- इंसानियत और समानता के प्रतीक

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संत रविदास की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए रविवार को कहा कि संत रविदास ने जाति भेद और द्वेष के खिलाफ आजीवन कड़ा संघर्ष किया। बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "देश में 'सामाजिक परिवर्तन' के महान संतों में जाने-माने संतगुरु श्री रविदास जी को आज उनकी जयंती पर शत्-शत् नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित करती हूं तथा देश व दुनिया में रहने वाले उनके करोड़ों अनुयायियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देती हूं।" उन्होंने कहा, "संतगुरु श्री रविदास जी का संदेश 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' अर्थात् मन को शुद्ध और पाक-साफ रखकर ही इंसान सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है तथा समाज और देश का भी भला कर सकता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन इंसानियत का संदेश देने में व्यतीत किया।" मायावती ने कहा कि इसी क्रम में वह विशेष रूप से जाति भेद और द्वेष के खिलाफ आजीवन कड़ा संघर्ष करते हुए अमर हो गए। उन्होंने कहा, "उनका संदेश धर्म की पवित्रता को समाज सेवा और जनचेतना के माध्यम से इंसान और इंसानियत की भलाई से जोड़ता है।" बसपा प्रमुक ने कहा, "उनका संदेश किसी स्वार्थ, विशेषकर संकीर्ण राजनीतिक और चुनावी स्वार्थ की पूर्ति के लिए नहीं है, जिसे भुला दिए जाने के कारण अमन-चैन, आपसी सौहार्द, भाईचारे और सुख-समृद्धि का वातावरण काफी हद तक प्रभावित हुआ है।" मायावती ने कहा, "संतगुरु श्री रविदास जी के उपदेशों पर अमल कर करोड़ों गरीबों, शोषितों और पीड़ितों का काफी कुछ भला हो सकता है, जिस पर समुचित ध्यान देने की जरूरत है।"

माघ पूर्णिमा पर कड़ा धाम में उमड़ा जनसैलाब

जयकारों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मंत्र भारत संवाददाता

कड़ा धाम, कौशाम्बी। माघ मास की पावन पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को ऐतिहासिक तीर्थ स्थल कड़ा धाम में श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कड़ा स्थित गंगा घाटों पर तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया, जहाँ हजारों की संख्या में भक्तों ने गंगा की शीतल धारा में आस्था की डुबकी लगाई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माघ पूर्णिमा पर गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व है, जिसके चलते न केवल कौशाम्बी बल्कि आसपास के जनपदों से भी भारी संख्या में लोग यहाँ पहुँचे।

श्रद्धालुओं ने स्नान के पश्चात तट पर स्थित हनुमान मंदिर और मां शीतला देवी के दरबार में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। घाटों पर पूजा-अर्चना और पुरोहितों को दान-पुण्य करने का सिलसिला दिन भर चलता रहा। हर-हर गंगे और जय माता दी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। इस अवसर पर तिल, गुड़ और वस्त्र दान का विशेष विधान होने के कारण घाटों पर खासी चहल-पहल देखी गई।

सुरक्षा और व्यवस्था के लिहाज से प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रमुख घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया था और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई थी। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वाहनों के रूट में भी परिवर्तन किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस बार पूर्णिमा पर पिछले वर्षों की तुलना में भक्तों का उत्साह अधिक नजर आया, जिससे कड़ा धाम का कोना-कोना भक्तिमय हो गया।

उप मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने डायट मैदान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उन्नयन योजना के लाभार्थियों-राजकुमार कैथवास को 11 लाख ऋण, पवन कुमार साहू को 10 लाख ऋण एवं नीलम तिवारी को 07 लाख ऋण का डमी चेक प्रदान किया।

ज्ञात हो कि इसी प्रकार उन्होंने सी.एम. युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को रू0-05 लाख ऋण का डमी चेक तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत 171 स्वयं सहायता समूहों को रिवाल्विंग फण्ड के लिए रू0-51.30 लाख की सहायता राशि का डमी चेक, 221 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के लिए 3.31 करोड़ की सहायता राशि का डमी चेक व 2306 स्वयं सहायता समूहों को कैश क्रेडिट लिंकेज के लिए रू0-34.59 करोड़ की सहायता राशि का डमी चेक प्रदान किया। उन्होंने मत्स्य विभाग के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र/प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने दिव्यांगजन-मधु देवी, नगीना, चांदनी, मोहित खत्री, मकसूद, संजय कुमार, मूलचन्द्र, वीरेन्द्र कुमार, संतोष कुमार व काजल देवी को ट्राई साइकिल प्रदान किया। उप मुख्यमंत्री ने कृषि यन्त्रीकरण योजना के लाभार्थी-पारसनाथ को रू0-34 लाख अनुदान का डमी चेक व ओम प्रकाश को ट्रैक्टर की चाभी प्रदान किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)/प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को आवास की चाभी प्रदान किया। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को स्वीकृत पत्र, वाद्ययन्त्र योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को वाद्ययन्त्र प्रदान किया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय व कस्तूरबा गांधी अवासीय बालिका विद्यालयों की छात्र-छात्राओं को शिक्षण सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने पी.एम.एफ.एम.ई. योजना में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बैंकर्स-नवीन कुमार झॉ, भीम सिंह, अजय सिंह व मुकेश कुमार को प्रशस्ति-पत्र एवं लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

उप मुख्यमंत्री द्वारा कॉमन इन्क्यूवेशन सेन्टर व सरस हाट का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजनान्तर्गत रू0-339.10 लाख की लागत से निर्मित कॉमन इन्क्यूवेशन सेन्टर का उद्घाटन/लोकार्पण किया। उन्होंने ब्लॉक परिसर मंझनपुर में सरस हाट का शुभारम्भ कर स्वयं सहायता समूहों-रानी महिला स्वयं सहायता समूह, शारदा महिला स्वयं सहायता समूह, गौरी महिला स्वयं सहायता समूह, चारिका महिला स्वयं सहायता समूह, नारी शक्ति महिला स्वयं सहायता समूह, शक्ति महिला स्वयं सहायता समूह एवं राधे महिला स्वयं सहायता समूह सहित कुल 20 स्वयं सहायता समूहों को दुकानों का आवंटन किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, विधायक चायल पूजा पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, निवर्तमान विधायक शीलता प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल व लाल बहादुर, सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा, सदस्य उ.प्र. अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग जितेन्द्र कुमार, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी व भरवारी कविता पासी, अध्यक्ष नगर पंचायत अजुहा शान्ती देवी व सिराथू भोला यादव, अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक शिवमोहन मौर्य, अनीता त्रिपाठी, संजय जायसवाल, भोले शंकर, ब्लॉक प्रमुखगण, अध्यक्ष डीसीएफ चन्द्र दत्त शुक्ल सहित अन्य गणमान्य तथा निदेशक खाद्य प्रसंस्करण टी.के. शीबू, जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी उपस्थित रहें।

माघ मेला-2026 के लिए यातायात व्यवस्था का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। माघ मेला-2026 के अवसर पर जनपद में यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा थाना कोखराज क्षेत्रांतर्गत सकाढ़ा तिराहा, बरीपुर बाईपास डाइवर्जन एवं रोही चौराहा पर यातायात व्यवस्था में लगे पुलिस बल को चेक किया गया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को पूर्ण सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न होने देने तथा मेला अवधि के दौरान आने-जाने वाले श्रद्धालुओं/यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कड़ा गंगा घाट पर संत शिरोमणि रविदास जयंती पर उमड़ा जनसैलाब

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। भक्ति आंदोलन के महान संत और समाज सुधारक संत शिरोमणि रविदास की जयंती रविवार को कड़ा गंगा घाट क्षेत्र में बेहद हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में हजारों की संख्या में अनुयायियों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा क्षेत्र 'जय रविदास जय रविदास' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

ज्ञात हो कि जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इस भव्य यात्रा का नेतृत्व शरद कुमार, अमरेंद्र कुमार, बृजेश गौतम और सतीश गोयल ने किया। शोभायात्रा में संत रविदास के जीवन दर्शन को दर्शाती झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। गाजे-बाजे के साथ निकली इस यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शोभायात्रा जिन रास्तों से गुजरी, वहां स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

कई गांवों में स्वागत मंच बनाए गए थे, जहाँ जलपान और स्वागत की विशेष व्यवस्था रही। कार्यक्रम के दौरान आयोजित सभा में वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। समानता का संदेशः वक्ताओं ने बताया कि रविदासने समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाकर मानवता और प्रेम का मार्ग दिखाया। सामाजिक एकताः इस आयोजन के माध्यम से समाज में एकता और भाईचारे का एक बड़ा संदेश गया। घाट किनारे और आसपास के क्षेत्रों मंव मेले जैसा माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार की जयंती में युवाओं की भागीदारी और जनसमूह पिछले कई वर्षों की तुलना में काफी अधिक था, जो संत रविदास के विचारों के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

सिराथू में उमड़ेगी आस्था

कल सजेगा बाबा खाटू श्याम का भव्य चतुर्थ महोत्सव

सिराथू/कौशाम्बी। नगर पंचायत सिराथू के धाता रोड स्थित ओवरब्रिज के नीचे आगामी 3 फरवरी 2026, मंगलवार को चतुर्थ 'श्री खाटू श्याम प्रभु महोत्सव' का भव्य आयोजन होने जा रहा है। जय श्री श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस एक शाम बाबा श्याम के नाम' कार्यक्रम में बाबा भोलेनाथ, श्री रानी सती दादी और श्री बालाजी महाराज की विशेष उपस्थिति के बीच भक्ति की अमृत वर्षा होगी। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5:00 बजे अखंड ज्योति प्रज्वलन के साथ की जाएगी, जिसके बाद शाम 6:00 बजे से देश के प्रख्यात भजन गायकों द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। इस पावन अवसर पर प्रभु को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा और विशाल भंडारे (महाप्रसाद) का आयोजन होगा।

भजन संध्या को विशेष बनाने के लिए प्रयागराज से शुभम द्विवेदी, सिलीगुड़ी से विपुल राजपूत और कानपुर से शैलजा कपूर जैसे दिग्गज कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के दौरान इत्र और पुष्प वर्षा मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगी, जो पूरे वातावरण को दिव्य सुगंध से सराबोर कर देगी। आयोजकों ने बताया कि इस महोत्सव का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब और फेसबुक पर भी किया जाएगा, ताकि दूर-दराज के भक्त भी घर बैठे दर्शन कर सकें। समिति के पदाधिकारियों ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमियों से सपरिवार और इष्ट-मित्रों के साथ इस रसभरी भजन संध्या में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

दिल्ली ने तमिलनाडु को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में रविवार को सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 के तहत खेले गए रोमांचक मुकाबले में दिल्ली ने तमिलनाडु को 8 विकेट से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दिल्ली के कप्तान आयुष चौहान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तमिलनाडु की टीम 16 ओवर में 94 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। तमिलनाडु की ओर से आदित्य कुमार ने 33 रन और सुनील ने 21 रनों का योगदान दिया। दिल्ली की गेंदबाजी में कप्तान आयुष चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि भास्कर भारद्वाज ने 4 और सक्षम ने 1 विकेट लिया।

95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम ने शानदार शुरुआत की। जितेंद्र शर्मा की तूफानी 45 रन की पारी और हर्षित प्रताप सिंह के नाबाद 35 रनों की बदौलत दिल्ली ने मात्र दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। तमिलनाडु की ओर से शाह आलम और सुनील ने एक-एक विकेट लिया।

मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दिल्ली के कप्तान आयुष चौहान को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार शैलू सिंह द्वारा प्रदान किया गया। इस मुकाबले के मुख्य अतिथि राजा योगेंद्र प्रताप सिंह रहे।आयोजकों ने बताया कि आज सेमीफाइनल का अंतिम मुकाबला दिल्ली और लखनऊ के बीच खेला जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजा योगेन्द्र प्रताप सिंह, शैलू सिंह, नपं अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, श्याम सुंदर चौधरी, विनय प्रताप सिंह, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, राजेश उपाध्याय, बेचन प्रसाद, केशव राम यादव, वकील खान, बाबूजी अंसारी, गोपाल फौजी, शिवरतन कनौजिया, अंकित गुप्ता, पप्पू यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें।

नेशनल एडवोकेट वेलफेयर संगठन की स्थापना

पदाधिकारियों ने लिया सेवा का संकल्प

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद के जनपद एवं सत्र न्यायालय परिसर में 31 जनवरी 2026 को नेशनल एडवोकेट वेलफेयर संगठन की नींव रखी गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों और स्थानीय अधिवक्ताओं द्वारा एक संकल्प सभा का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के भविष्य की रूपरेखा और अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा पर चर्चा की गई।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात में न्यायाधीश को संगठन के उद्देश्यों, संरचना और आगामी कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। न्यायाधीश ने संगठन की इस पहल की सराहना करते हुए पदाधिकारियों को अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं प्रदान कीं। इसके पश्चात, संगठन के सदस्यों ने बार काउंसिल जनपद कौशाम्बी के अध्यक्ष दिलीप कुमार पांडेय और महामंत्री तुषार तिवारी से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। बार काउंसिल के नेतृत्व ने भी संगठन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। सभा के समापन पर एक औपचारिक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक कुमार पांडेय, उपाध्यक्ष जैबुल अहमद खान, महासचिव गुरु प्रसाद गुप्ता और अन्य सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे पूरे भारतवर्ष में अपने-अपने पदों के कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगे।

पांच दिवसीय चलने वाले सिद्धार्थनगर महोत्सव का हुआ समापन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बीएसए ग्राउंड में पांच दिन तक चलने वाले सिद्धार्थनगर महोत्सव 2026 के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, प्रो0 डॉ0 गीता चोपड़ा दिल्ली विश्वविद्यालय, सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एस0पी0अग्रवाल आदि की उपस्थिति में पंचायती राज विभाग एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं विषयक गोष्ठी/सम्मेलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ तथा संसद में 2026-27 का बजट पेश करने के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, प्रधान संघ पवन मिश्रा द्वारा सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा

कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को बुके देकर स्वागत किया गया। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने ग्राम प्रधान गणों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं को शुभकामनायें देते हुये कहा कि गांवों को विकसित बनाने की बड़ी जिम्मेदारी ग्राम प्रधानों को दी गयी है। ग्राम प्रधानों द्वारा गांवों में सड़क, नाली आदि मूलभूत सुविधाओं के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा 2047 तक भारत को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। जब हमारा गांव विकसित होगा तभी हमारा प्रदेश व हमारा भारत देश विकसित होगा। जनपद में कालानमक चावल, मछली उत्पादन में काफी प्रगति हुई है वैसे मखाना की खेती करके मखाना उत्पादन में भी हमारा जनपद आगे होगा। आज संसद में 2026-27 का बजट पेश किया गया। जिसमें महिलाओं के लिए तथा अन्य विकास कार्यो के लिए पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बजट आवंटित किया गया है। जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी और हमारा देश ग्रोथ इंजन के रूप में उभर कर आत्मनिर्भर बनेगा। महिलायें सशक्त होगीं और महिलाओं के लिए सभी जिला मुख्यालयों पर महिला छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा, जिससे महिलाओं को कोई परेशानी न हो। स्वास्थ्य व शिक्षा में 05 प्रतिशत टैक्स लगता था उसको 02 प्रतिशत कर दिया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषाहार का वितरण करके उनके स्वास्थ्य का देखभाल करती हैं। आंगनबाड़ी अपने परिवार के साथ-साथ समाज के अन्य परिवार का देखभाल करने का कार्य करती हैं। कम मानदेय के बावजूद कड़ी मेहनत कर महिलाओं, बच्चों की देखभाल व शासन के अन्य कार्यो को सम्पन्न कराने तथा सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों तक पंहुचाने का कार्य कर रही हैं। सरकार जल्द ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के मानदेय को बढ़ाने का कार्य करेगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो0 डॉ0 गीता चोपड़ा द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां भारत के भविष्य की आधारशिला विषय पर जानकारी दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बताया कि बच्चों के समुचित विकास के लिए आवश्यक पोषाहार देने से उनका विकास अच्छे ढंग से होगा। बच्चों को सिखाने की प्रक्रिया व सोच में बदलाव के प्रति बारीकी से बताया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रमिला मिश्रा द्वारा अपने विचार के माध्यम से लागों को जागरूक किया गया।

सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल द्वारा विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो0 डॉ0 गीता चोपड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रधान व सचिव को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव, सीडीपीओ, ग्राम प्रधान व आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका आदि की उपस्थिति रही।

सुरक्षा योजनाओ के बारे मे पम्पलेट वितरित कर पुलिस ने किया जागरुक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम नदाव में बालिकाओं/महिलाओ को एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहू सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी दी गई व जागरूक किया गया।

सभी के मंगल की कामना कर पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज आश्रम रवाना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज एक माह तक संगम की रेती पर लगे माघ मेला के सेक्टर-6 ओल्ड टी रोड पर लगे चरखी दादरी आश्रम में कल्पवास किया। माघी पूर्णिमा पर आज कल्पवास पूरा होने पर बडी संख्या में शिष्यों सहित दशाश्वमेघ घाट पर मां गंगा में स्नान, पजन किया। पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती, भगवान वेणी माधव और तीर्थराज प्रयागराज से सभी कल्पवासियों, देशवासियों के लिए मंगल कामना किया कि सभी स्वस्थ्य प्रसन्नचित रहे और उन्नति करें और आगे बढे। उन्होंने कहा कि माघ मास आज खत्म हो रहा है ऐसे में सभी कल्पवासी खुशी - खुशी अपने घरो को रवाना हो और उन्नति करते हुए आगे बढे, अगले वर्ष के माघ मेले में फिर सभी लोग आये और भगवद भजन करते हुए कल्पवास करें।पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज सभी शिष्यों सहित वृंदावन के विश्वनाथ धाम के लिए रवाना हो गये।

माघी पूर्णिमा पर लाखों श्रद्धालुओं ने अक्षय पुण्य को लगायी डुबकी

संगम की रेती पर एक माह से चल रहा कल्पवास पूरा, संत आश्रम कल्पवासी घरो को रवाना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। संगम की रेती पर लगे माघ मेले का पांचवा प्रमुख स्नान पर्व माघी पूर्णिमा का आज सकुशल संपन्न हो गया है। माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व पर संगम के विभिन्न घाटों पर करीब तीन करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है। जैसे-जैसे दिन बीतता गया श्रद्धालुओं की तादाद भी बढ़ती गई। माघी पूर्णिमा पर करीब तीन करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के स्नान के साथ ही एक नया रिकॉर्ड भी बना है। माघ मेले में अब तक 20 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह आंकड़ा जहां 2013 के कुंभ से ज्यादा है। वहीं 2019 के कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालुओं के आस्था की डुबकी लगाने के करीब पहुंच चुकी है। हालांकि अभी 15 दिन और माघ मेला चलना है जिससे आंकड़ा 24 करोड़ तक भी पहुंच सकता है।

वहीं महाकुंभ 2025 में तो सभी रिकॉर्ड टूट गए थे। महाकुम्भ मेले में 66 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई थी। यही वजह है कि योगी सरकार ने माघ मेले का क्षेत्रफल बढ़कर 800 हेक्टेयर कर दिया था और मिनी कुंभ की तर्ज पर इसका आयोजन किया गया।

हालांकि माघी पूर्णिमा के स्नान के साथ ही संगम की रेती पर बने तंबूओं में एक माह तक कठिन तप और जप करने वाले संत, महात्माओं और श्रद्धालुओं का कल्पवास भी पूरा हो गया है। ऐसे में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम की रेत और गंगाजल लेकर अपने घरों को वापस लौट रहे हैं। हालांकि यहां स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं ने माघ मेले की व्यवस्थाओं को लेकर मेला प्रशासन के साथ ही प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का आभार जताया है।

वहीं तीर्थ पुरोहितों के शिविरों में रह रहे कल्पवासी भी आध्यात्मिक ऊर्जा बटोर कर अपने घरों को लौट रहे हैं। तीर्थ पुरोहितों के मुताबिक ज्यादातर कल्पवासी माघी पूर्णिमा के स्नान के बाद चले जाते हैं। हालांकि अभी कुछ कल्पवासी तीन दिन बाद होने वाले त्रिजटा स्नान के बाद अपने घरों को लौटेंगे।

माघ मेला एसपी नीरज पांडेय ने बताया कि पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों और जवानों ने मुस्तैदी से माघी पूर्णिमा के स्नान को सकुशल संपन्न कराया है। उन्होंने कहा है कि उम्मीद से कहीं ज्यादा श्रद्धालु माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व पर आए। उन्होंने बताया कि माघ मेले से जाने वाले कल्पवासियों के लिए भी ट्रैफिक का इंतजाम किया गया है। ताकि किसी भी रूट पर जाम ना लगे और श्रद्धालुओं को कोई परेशानी ना हो। बहरहाल माघी पूर्णिमा के स्नान के बाद माघ मेला लगभग खत्म हो जाता है। लेकिन माघ मेले का औपचारिक समापन 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान पर्व के साथ होगा। अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज ने कहा कि मां गंगा सभी का कल्याण कर मनोकामना पूरी करें। जो लोग आध्यात्मिक ऊर्जा से संचित हुए है वह सनातन धर्म के लिए अच्छा करें।

सनातन धर्म की सेवा, प्रचार-प्रसार वन का अंतिम उददेश्यः स्वामी हरि नारायण

छत्रपति शिवाके 13वीं पीढ़ी के राजगुरु स्वामी हरि नारायण ने माघ मास में श्रद्धालुओं के लिए चलाया विशाल भण्डारा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम माघ मेला क्षेत्र प्रयागराज के स्वामी हरि नारायण समदर्शी के नेतृत्व में आज माघी पूर्णिमा के अवसर पर नारायण स्वरूप ने दण्डी स्वामियों, संन्यासियों को भण्डारे का प्रसाद खिलाकर अंगवस्त्र अचला प्रदान किया।

भगवती उपासक स्वामी हरि नारायण समदर्शी सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम अध्यक्ष चित्रकूट अरैल प्रयागराज आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी ने बताया कि प्रभु पद तो मेरा एक अच्छा पद है। छत्रपति शिवामहाराज के 13वीं पीढ़ी के वंशज के राजमाता छत्रपति कल्पना राजे भोसले को मैंने गुरु दीक्षा दिया है जो महाराष्ट्र में छत्रपति परिवार अभी भी है उनके वंशज राजा हैं सतारा महाराष्ट्र से लोकसभा सांसद हैं उनकी राजमाता ने मुझसे गुरु दीक्षा प्राप्त किया है। स्वामी हरिनारायण महराज ने बताया कि सनातन धर्म की सेवा, प्रचार-प्रसार करना वन का अंतिम उददेश्य है। इस अवसर पर, गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं भक्तों के लिए अनवरत लंगर, निःशुल्क चाय, नाश्ता भंडारे में मिल रहा आयोजित है। सवा महीने तक महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। भगवती उपासक छत्रपति राजगुरु स्वामी हरि नारायण समदर्शी ने बताया कि यह भंडारा 3 जनवरी पौष पूर्णिमा से चला आ रहा है और मघी पूर्णिमा तक निरंतर चलता रहा।

मां गंगा की कृपा, आशीष से सभी सनातनधर्मी स्वस्थ रहें : स्वामी नरेन्द्रानंद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। काशी सुमेरु पीठाधीश्वर अनन्त विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज ने आज माघ पूर्णिमा के पावन पर्व पर अनेक सिद्धियों को प्रदान करने वाले रवि पुष्य चतुष्ग्रही योग में राष्ट्र के समृद्धि एवं सुरक्षा की कामना से संगम स्नान किया । उन्होने बताया कि इसी के साथ इस वर्ष का माघ मास का कल्पवास सम्पन्न हो गया है। शंकराचार्य महाराज ने अपने सन्देश में कहा कि माता गंगा की कृपा से इस वर्ष का माघ मेला सकुशल संपन्न हुआ, इसके लिए व्यवस्था में लगे सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं । उन्होने कहा कि मां गंगा की कृपा और आशीष से सभी सनातनधर्मी स्वस्थ रहें, और अगले वर्ष पुनः पधार कर संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर अपने वन को धन्य करें । शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज अपने सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के अभियान में आज झारखण्ड प्रस्थान कर गए । वहां से वापस अपने त्रिवेणी मार्ग स्थित शिविर में आकर शिवरात्रि पर सम्पन्न होने वाले अखण्ड महारूद्राभिषेक, शिव बारात एवम् भण्डारा के आयोजन में शामिल होगे। शिवरात्रि के पश्चात् शिविर का समापन होगा । यह जानकारी सचिव स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती महाराज ने दी है।

किन्नर अखाड़ा के संतों ने संगम स्नान कर सभी के मंगल की किया कामना

विशाल भण्डारे में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के संत माघी पूर्णिमा पर रविवार को सुबह संगम नोज पर स्नान कर दान किया। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) के नेतृत्व में बडी संख्या में किन्नर संत और शिष्य माघ मेला के सेक्टर-6 ओल्ड टी, संगम लोवर में लगे किन्नर अखाड़ा के शिविर से संगम जोन पर स्नान के लिए रवाना हुए। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) महराज ने बताया कि इस दौरान बडी संख्या में किन्नर संत माघी पूर्णिमा पर संगम स्नान किया जिसमे प्रयागराज, यूपी, उडीसा, गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखंड सहित अन्य प्रदेशों के किन्नर संत और बडी संख्या में शिष्य स्नान में शामिल हुए। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने बताया कि माघी पूर्णिमा पर नागवासुकी मार्ग - हर्षवर्धन मार्ग चौराहे पर लगे अखिल भारतीय कल्याणी सनातन सेवा ट्रस्ट की ओर से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जहां हजारो श्रद्धालुओं, शिष्यों ने प्रसाद लिया। महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज ने बताया कि माघ मेले के छठवें अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि का भी स्नान किन्नर अखाड़ा संगम पर सुबह आठ बजे किन्नर संतों, शिष्यों के साथ करेगा। इस दौरान किन्नर अखाडा की श्रीमहंत कामाक्षी नंद गिरि, शुभम नंद गिरि, हर्षिता नंद गिरि, मनीषा नंद गिरि, शिवानी नंद गिरि, आलिया नंद गिरि सहित अन्य प्रमुख लोग थे।

भण्डारे में लाखों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

ओम नमः शिवाय, पंच तेरह भाई त्यागी, चरखी दादरी आश्रम मां सीता की रसोई की ओर से चल रहा विशाल भण्डारा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला के पहले मुख्य स्नान पर्व से मेला क्षेत्र में चल रहे दर्जनभर भण्डारों में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन और रात श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे थे वह माघी पूर्णिमा रविवार से अब बंद हो गये है जबकि ओम नमः शिवाय प्रयागराज की ओर से कई स्थानों पर दिन, रात भण्डारा अभी चल रहा है।

माघ मेला मे सबसे बडा भण्डारा ओम नमः शिवाय प्रयागराज का है जो दर्जन भर स्थानों पर दिन, रात चल रहा है जहां लाखों लोग प्रतिदिन भण्डारा में खाना खा रहे है। ओम नमः शिवाय भण्डारा के व्यवस्थापक शिवम सिंह ने बताया कि भण्डारे मे प्रतिदिन और रात श्रद्धालुओं की बहुत अधिक भीड हो रही है, संभावना है कि अभी तक एक करोड से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया है। पंच तेरह भाई त्यागी नया घाट अयोध्या वेद महामण्डलेश्वर स्वामी गोपाल महराज ने बताया कि शिविर मे विशाल भण्डारा अनवरत चल रहा है। जहां बडी संख्या में लोग प्रसाद ग्रहण कर रहे है।

मां सीता रसोई की ओर से मेला क्षेत्र में दर्जनभर स्थानों पर विशाल भण्डारा चल रहा है जहां हजारों श्रद्धालु परिवार सहित दिन, रात भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे थे। मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर ने बताया कि माघी पूर्णिमा तक विशाल भण्डारा चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि भण्डारे में रोटी, सब्जी, चावल, दाल, पूडी, कचौडी, तहरी, राजमा, खीर, रसगुल्ला सहित अन्य खाध सामग्रियां दी जा रही है। मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर लोगों में ठण्डक के कपडे भी बांटे जा रहे है जिससे कि उनको ठंडक मे परेशानी ना होने पाए। उल्लेखनीय है कि मा सीता रसोई की डायरेक्ट श्रीमती मनप्रीत कौर की ओर से अयोध्या धाम, मथुरा और वृन्दावन में कई वर्ष से विशाल भण्डारा चल रहा है जहां हजारों लोग प्रतिदिन भण्डारे का प्रसाद ग्रहण कर रहे है। तीर्थराज प्रयागराज के महाकुम्भ -2025 मे मा सीता रसोई की ओर से माहभर दर्जनभर स्थानों पर विशाल भण्डारा दिन, रात चलता रहा जहां लाखों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर ठण्डक से बचने के लिए गर्म कपडे भी लिए।

इसी प्रकार से हरियाणा के चरखी दादरी आश्रम, नागेश्वर धाम, हरियाणा के राघौर आश्रम, बालानंदाचार्य नगर, कोल्हू नाथ खालसा की ओर से विशाल भण्डारा आज से शुरू हो गया है जहां लाखों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे है।

हिंदू सम्मेलन का भव्य आयोजन सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

नोएडा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हिंदू सम्मेलन 2026 का भव्य एवं अनुशासित आयोजन दिनांक 1 फरवरी 2026, रविवार को दुर्गा पूजा ग्राउंड, सेक्टर-137, नोएडा में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन हिंदू सम्मेलन आयोजन समिति, सेक्टर-137, नोएडा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विपुल के द्वारा गण गीत, सुभावना के द्वारा एकल गीत बाल कलाकार गौरांश के द्वारा भजन-संगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों के आगमन पर दीप प्रज्वलन, पूर्वांचल के बाल कलाकारों के द्वारा गणेश वंदना एवं सुपर टेक के बाल कलाकारों के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गई। प्रमोद राजपूत के द्वारा मंच परिचय तथा कार्यक्रम की महती भूमिका प्रस्तुत की गई त सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुशल संयोजन का कार्य डॉ विमल गुप्ता के द्वारा किया गया त चन्द्र मोहन , राकेश देव (अध्यक्ष सनातन धर्म सभा) एवं सतीश के साथ बटुक ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया त संपूर्ण कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. सपना दत्ता द्वारा अत्यंत प्रभावी एवं गरिमामय ढंग से किया गया।

सम्मेलन में पूर्वांचल के बाल कलाकारों द्वारा महिषासुर मर्दिनी, गुलशन के बाल कलाकारों द्वारा शिव तांडव, अजनारा के बाल कलाकारों द्वारा श्रीमती प्रियंका एवं श्रीमती रेखा पाण्डे के नेतृत्व में आरम्भ है प्रचण्ड नृत्य गीतिका प्रस्तुत की गई त वीर शिवा, ऑपरेशन सिंदूर, युग परिवर्तन जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

मुख्य वक्ता एवं संस्थापक, सनातन महासंघ, हरिद्वार राष्ट्रीय विचारक एवं वक्ता डॉ. गौतम खट्टर ने हिंदू समाज की एकता, संस्कृति संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमान जगदीप ग्रोवर ने की। विशिष्ट वक्ताओं में राष्ट्रवादी विचारक एवं सनातन धर्म प्रचारक गायत्री पीठ हरिद्वार पूज्य दीदी मुस्कान रघुवंशी एवं प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय कवि एवं वक्ता श्रीमान अमित शर्मा प्रमुख रहे। आशीर्वचन श्रीमान जगदीप राय द्वारा प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में निखिल के द्वारा सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापन के साथ भारत माता की आरती की गई त तत्पश्चात् सपरिवार भोजन-प्रसाद की भी व्यवस्था रही त सम्मेलन सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नोएडा महानगर के प्रचारक डॉ सुमित, सौरभ , सनातन धर्म सभा के कार्यकर्ताओं सुरेश, श्रीमती रीना, श्रीमती अंजू, माधव, संव दत्ता, आलोक पांडेय, अवनीश सहित सेक्टर 137 की सभी सोसायटियों से जुड़े सुधीजनों की उपस्थिति रही।

माघ मेला में श्रद्धालुओं हेतु 101 रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मनीष कुमार भारती, कमांडेंट 101 रैपिड एक्शन फोर्स के तत्वावधान में माघ पूर्णिमा के अवसर पर संगम क्षेत्र में आए श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

चिकित्सा शिविर में डॉ. अशोक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ओ) 101 आरएएफ एवं उनकी चिकित्सा टीम द्वारा श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जाँच की गई। शिविर के दौरान सामान्य रोगों से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया साथ ही डॉ. अंशुल शुक्ल आशा दंत चिकत्सल्य शांतिपुरम ने भी निःशुल्क दन्त चिकित्सा प्रदान की।

इस पहल से माघ मेला में आए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। 101 रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा माघ मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं मानवीय सेवा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर जन-कल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं।

उक्त अवसर पर पुनर्वसु तिवारी (द्वि. कमा.अधि), डॉ. अशोक कुमार, सीएमओ (ओ), नीरज कुमार (उप.कमा) डॉ. अंशुल शुक्ल अधक्छ आशा हेल्थ एंड वेलफेयर फाउंडेशन सहित अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

माघी पूर्णिमा के अवसर पर सकुशल स्नान संपन्न

सुरक्षा व्यवस्था का निरंतर जायजा लेते रहे पुलिस अधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। माघ मेला के स्नान पर्व पर माघी पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं पुलिस प्रशासन की देखरेख में श्रद्धालुओं ने सकुशल स्नान किया और अपने गंतव्य को रवाना हुए। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, एसीपी थरवई अरुण पाराशर सहित श्रद्धालुओं के सकुशल आवागमन एवं यातायात प्रबंधन को लेकर निरंतर जायजा लेते रहे। वहीं हर बिंदुओं पर पुलिस कर्मी तैनात रहे। जिससे किसी है प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न ना हो एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगमता बनी रहे। जिसमें थाना फाफामऊ सहित अन्य थानों की फोर्स जगह जगह तैनात रहे।

थरवई क्षेत्र के इंटर कॉलेजों में प्रैक्टिकल परीक्षा बनी अवैध वसूली का जरिया

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थरवई क्षेत्र के इंटर कॉलेजों में बोर्ड परीक्षा से पहले प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर छात्रों से खुलेआम अवैध वसूली की जा रही है। क्षेत्र के मनसैता पैगंबरपुर गारापुर इस्माईलगंज पण्डिला हरीरामपुर जैतवारडीह भिदौरा हेतापट्टी सराय चंडी रामनगर आदि क्षेत्र में संचालित इंटर कॉलेज में हाईस्कूल में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के नाम पर प्रति छात्र ?300 और इंटरमीडिएट में प्रैक्टिकल परीक्षा के नाम पर ?500 तक प्रति विषय अवैध वसूली की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह वसूली बिना किसी रसीद और नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हुए की जा रही है।सूत्रों के अनुसार, परीक्षा में बैठने के लिए छात्रों पर यह राशि जमा करने का दबाव बनाया जा रहा है। शुल्क न देने पर प्रैक्टिकल में नंबर काटने और परीक्षा से वंचित करने की धमकी तक दिए जाने के आरोप हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।मामले को लेकर क्षेत्रीय अभिभावकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रयागराज से गोपनीय जांच की मांग की है। अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते इस अवैध वसूली पर शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारी द्वारा रोक नहीं लगाई गई तो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ सकता है।अभिभावकों ने दोषी कॉलेज के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, अवैध रूप से वसूली गई राशि वापस कराने और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कराए जाने की मांग उठाई है। अब देखना यह है कि शिक्षा विभाग इस गंभीर मामले में कब तक कार्रवाई करता है या फिर छात्रों की जेब पर डाका डालने का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

सम्पादकीय

गरीब ज्यादा खर्च कर रहे हैं लेकिन क्या सच में गरीबी कम हुई है? आर्थिक समीक्षा के दावों पर उठते असहज सवाल

देश में सबसे निचले तबके की पांच से दस फीसद आबादी के उपभोग व्यय में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यानी इस वर्ग के लोग अपनी जरूरत के लिए विभिन्न वस्तुओं की खरीद पर अब ज्यादा खर्च करने लगे हैं। यह इस बात का संकेत है कि गरीबों की माली हालत में सुधार हुआ है। संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा रपट में गरीबी का दायरा कम होने की यह तस्वीर उकेरी गई है। इसमें कहा गया है कि सरकार के सबसिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय को प्राथमिकता जैसे कदमों के परिणामस्वरूप कमजोर वर्ग अभाव से उबरे हैं।

यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में तस्वीर बदली है। मगर सवाल है कि गरीबी से उबरने का आकलन करने के पैमाने क्या हैं? क्या इस प्रक्रिया में सिर्फ वस्तुओं की खरीद पर खर्च बढ़ने को आधार बनाना काफी है? समीक्षा में आंकड़ों के आधार पर कहा गया है कि देश में उपभोग असमानता में कमी आई है, मगर क्या वास्तव में इसे गरीबी कम होने का सूचक माना जा सकता है?

आर्थिक समीक्षा रपट के अनुसार, वर्ष 2022-23 और 2023-24 के बीच समाज के सबसे निचले वर्ग के प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखी गई है। तर्क दिया गया है कि सरकारी नीतियों का आय वितरण पर महत्त्वपूर्ण असर हुआ है, जिससे गरीब तबके की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। मगर इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि जिसे 'व्यय की क्षमता' बढ़ने के रूप में देखा जा रहा है, उसका आधार क्या है। इसमें दोराय नहीं कि सामान्य तौर पर किसी भी परिवार के खर्च करने की क्षमता में तभी इजाफा होता है, जब उसकी आमदनी में बढ़ोतरी होती है।

इसके बिना अगर गरीब परिवारों का वस्तुओं की खरीद पर व्यय बढ़ रहा है, तो यह महंगाई और मजबूरी से उपजी परिस्थितियों का नतीजा भी हो सकता है। जाहिर है, जैसे-जैसे महंगाई बढ़ती है, वैसे-वैसे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं पर हर किसी को ज्यादा खर्च करना पड़ता है। आमदनी बेहद कम होने और किसी वस्तु की अत्यधिक जरूरत पड़ने पर गरीब परिवार बैंक या साहूकार से कर्ज लेकर भी खर्च करते हैं। इस सूरत में ऐसे परिवारों के व्यय में बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है, पर क्या इसे यह मान लिया जाए कि वे गरीबी से उबर गए हैं!

यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या सरकार की ओर से आवश्यक वस्तुओं की खरीद पर सबसिडी या मुफ्त राशन देने से गरीबी कम हो जाती है। और अगर देश में जमीनी स्तर पर वास्तव में गरीबी कम हो गई है, तो आज भी सरकार की ओर से करीब अस्सी करोड़ लोगों को तय मात्रा में मुफ्त राशन उपलब्ध कराने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। कोविड काल में शुरू की गई इस योजना को एक जनवरी, 2024 से अगले पांच साल तक बढ़ा दिया गया।

ऐसे में जरूरी है कि गरीबी को आंकड़ों के जरिए कागजों पर खत्म करने की बजाय इस दिशा में धरातल पर प्रयास किए जाएं। कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए उनकी आजीविका के स्थायी साधन विकसित करना जरूरी है और यह तभी संभव हो पाएगा, जब गरीबों के लिए शिक्षा और रोजगार के सस्ते, सुलभ और पर्याप्त अवसर उपलब्ध होंगे। उम्मीद है कि बजट में सरकार इस मसले पर कोई ठोस घोषणा करेगी।

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

इन दिनों विपक्ष उत्तर प्रदेश में दो घटनाओं के माध्यम से अपनी राजनीति साधने के प्रयास में है। पहली घटना वाराणसी के मर्णिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरो पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है। दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद

जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है।

राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक -पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं ।

अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नही हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात-ए-मोदी कहा था। यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं। यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं।

जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू , मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वो भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है। बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं की हत्याएं पर पूरा इंडी गठबंधन मौन हो गया। सनातन को अपमानित करने में समाजवदियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यह समाजवादी रामचिरत मानस व गीता को अपमानित करते हैं , इनके विधायक व कार्यकर्ता पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को फाड़ते और जलाते हैं। आज यही लोग शंकराचार्य की आड़ लेकर हिंदू समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटोगे तो कटोगे' का नारा दिया था जिससे समाजवादी व कांग्रेसी काफी परेशान थे कि अगर कहीं हिन्दू पूरी तरह से एकजुट हो गए तो उनकी राजनीति समाप्त हो जाएगी, इसलिए प्रयागराज की धरती पर ही हिन्दू समाज को बांटने की रणनीति बनाई गई और पीडीए की राजनीति करने वाले लोगों ने माघ मेला के पवित्र अवसर को चुना। आम जनमानस की स्मृति बहुत कमजोर होती है और उसे जातीय आधार पर विभाजित किया जा सकता है। इन सभी दलों को यह भी पता है कि जब तक ब्राह्मण समाज व समस्त सवर्ण समाज को विभाजित और भाजपा के प्रति उनके मन में निराशा के भाव नही पनपा जाते हैं तब तक भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ उत्तर प्रदेश में रोकना असंभव है।

समाजवादी पार्टी को पता है कि जब तक हिन्दू धर्म को किसी बड़े विवाद के माध्यम से विभाजित नहीं किया जाएगा तब तक उनका पीडीए शक्तिहीन रहेगा। यही कारण हैं कि जब टीवी चैनलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चर्चा हो रही थी तब शंकराचार्य की आड़ हिन्दू धर्म में दरार डालने वाली बहस हो रही है। विपक्षी दलों के प्रवक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तुलना बाबर और औरंगजेब जैसे मुगल शासकों से कर रहे हैं जबकि वास्तविकता यह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जितना सम्मान संतो और शंकराचार्यों का किया है उतना किसी ने नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने सनातन धर्म का मान बढ़ाया है। अयोध्या, प्रयाग, काशी, मथुरा, विन्ध्याचल के उपेक्षित मंदिरो का जीर्णोद्धार करके हिन्दू धर्म का मान बढ़ाया है। ऐसे कर्मयोगी संत के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी अस्वीकार्य है।

सुविधाओं का अंबार लगा है फिर भी मन बेचैन है तकनीकी उन्नति ने क्यों छीन ली हमारी शांति?

प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के अनुसार 'शांत और साधारण जीवन निरंतर बेचैनी के साथ सफलता की दौड़ से अधिक सुख देता है।' आज का मनुष्य पहले से कहीं अधिक विकसित, शिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम हो गया है। उसके पास सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। बिजली से चलने वाले यंत्र, तेज रफ्तार वाहन, स्मार्टफोन, इंटरनेट, आनलाइन सेवाएं और मनोरंजन के अनगिनत साधन उपलब्ध हैं। कुछ दशक पहले जिन चीजों का सपना भी नहीं देखा जा सकता था, वे आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। फिर भी अजीब विरोधाभास यह है कि जितनी तेजी से हमारी सुविधाएं बढ़ी हैं, उतनी ही तेजी से हमारा संतोष घटा है।

यह आधुनिक समाज की सबसे बड़ी विडंबना है- हमारे पास सब कुछ है, सिवाय शांति के। तकनीकी प्रगति ने मनुष्य के जीवन को कई तरह से आसान बनाया है। अब भोजन पकाने से लेकर बिल जमा करने तक, हर काम अंगुलियों के इशारे पर हो जाता है, लेकिन क्या इससे हमारा जीवन वास्तव में सुखी हुआ है? अगर हम ईमानदारी से उत्तर दें, तो पाएंगे कि भौतिक रूप से हम समृद्ध हुए हैं, पर मानसिक रूप से दरिद्र। आज हर कोई किसी न किसी दौड़ में लगा है- अधिक पैसा कमाने की, बड़ा घर खरीदने की, नाम और पहचान पाने की। लेकिन यह दौड़ कभी खत्म नहीं होती। जो कल 'सपना' था, वह आज 'जरूरत' बन गया है, और कल फिर उससे आगे की चाह उठ खड़ी होगी। मनुष्य जितना पा रहा है, उतना ही असंतुष्ट भी हो रहा है। यही आधुनिकता का दुश्चक्र है।

अगर हम कुछ दशक पीछे लौटें, जब गांवों में जीवन धीमी रफ्तार से चलता था, तो देखेंगे कि लोग कम साधनों में भी अधिक प्रसन्न थे। उनके पास न तो वातानुकूलन मशीन थी और न ही फ्रिज और मोबाइल। मगर उनके पास समय था- परिवार के लिए, पड़ोसियों के लिए और खुद के लिए। शाम होते ही लोग चौपाल पर बैठकर बातें करते, गीत गाते या मिलजुल कर किसी का दुख-सुख बांटते। बच्चों की हंसी खेतों में गूंजती और रिश्तों में अपनापन होता। वह पीढ़ी जानती थी कि 'कम में भी बहुत कुछ' होता है। उनके पास भले भौतिक साधन कम थे, पर मन की शांति थी, क्योंकि वे तुलना नहीं करते थे, प्रदर्शन नहीं करते थे।

वर्तमान युग को अक्सर 'सूचना युग' कहा जाता है, लेकिन सच कहें, तो यह तुलना युग भी है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। अब हर कोई अपने जीवन को दूसरों के सामने 'संपूर्ण' दिखाने में लगा है। एक व्यक्ति की सफलता दूसरे के लिए प्रेरणा बनने के बजाय ईर्ष्या का कारण बन जाती है। दूसरों की छुट्टियों, कपड़ों या कारों को देखकर अपने जीवन को अधूरा मानना आज आम बात हो गई है। यह लगातार तुलना और प्रदर्शन ही हमारे असंतोष का सबसे बड़ा कारण है। मनुष्य अब 'जीने' से ज्यादा 'दिखाने' में विश्वास करने लगा है।

सुविधाओं के इस महासागर में आज का व्यक्ति पहले से कहीं अधिक अकेला और बेचैन है। परिवार छोटे हो गए हैं, रिश्ते औपचारिक हो गए हैं और संवाद का स्थान संदेशों ने ले लिया है। लोग एक ही छत के नीचे रहते हुए भी अलग-अलग दुनिया में खोए रहते हैं। बच्चे बाहर खेलने की जगह स्क्रीन पर गेम खेलते हैं और माता-पिता अपने काम में इतने व्यस्त हैं कि पारिवारिक बातचीत दुर्लभ हो गई है। काम का दबाव, प्रतिस्पर्धा, महंगाई, भविष्य की चिंता- इन सबने मिलकर मनुष्य के भीतर निरंतर तनाव भर दिया है। आज अस्पतालों में शारीरिक रोगों से अधिक मानसिक रोगों के मरीज मिलते हैं।

भौतिक साधन केवल शरीर की सुविधा बढ़ाते हैं, आत्मा की नहीं। एक व्यक्ति करोड़ों रुपए कमा सकता है, फिर भी रात को चैन से नहीं सो सकता। शांति और संतोष न तो बाजार में बिकते हैं, न बैंक में जमा होते हैं। वे भीतर से उपजते हैं- जब मनुष्य यह समझ लेता है कि 'पर्याप्त' क्या होता है। समस्या यह है कि आज हम 'पर्याप्त' का अर्थ ही भूल गए हैं। हर उपलब्धि के बाद भी और अधिक की चाह बनी रहती है। यह अंतहीन चाह ही मन की अस्थिरता का कारण बन गई है।

अगर हम वास्तव में शांति चाहते हैं, तो हमें अपनी जीवनशैली और सोच में परिवर्तन लाना होगा। जीवन को जितना सरल बनाएंगे, उतना हल्का महसूस करेंगे। अनावश्यक वस्तुओं और दिखावे से दूरी रखने की जरूरत है। जो कुछ हमारे पास है, उसके लिए आभार व्यक्त करें। खुशी बाहरी वस्तुओं से नहीं, बल्कि भीतर की स्थिरता और संतोष से आती है। यह सच है कि आधुनिक युग में सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन हमें यह समझना होगा कि सुविधा का अर्थ सुख नहीं होता। कभी कार से नहीं, बल्कि पैदल चलकर सूरज ढलने का आनंद लेकर देखना चाहिए। जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना ही मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाते हैं। सच्चा विकास वही है जिसमें मनुष्य बाहर से नहीं, भीतर से भी उजाला महसूस करे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सुविधाओं का कोई अंत नहीं, लेकिन संतोष का आरंभ हमारे भीतर ही है। सुविधाओं का विस्तार निश्चित रूप से मानव सभ्यता की उपलब्धि है, लेकिन अगर वह संतोष और शांति को नष्ट कर दे, तो उसका उद्देश्य अधूरा रह जाता है। संतोष का अर्थ यह नहीं कि प्रगति रुक जाए, बल्कि यह कि प्रगति के साथ संतुलन बना रहे। हमें अपनी महत्त्वाकांक्षाओं को इतना बढ़ाने की जरूरत नहीं कि वे हमारे मन की शांति को निगल जाएं। इसलिए आज की सबसे बड़ी आवश्यकता यह नहीं कि हमारे पास और सुविधाएं हों, बल्कि यह है कि हमारे भीतर संतोष और शांति हो।

राख से बायो-एंजाइम तक, क्या रसायनों की चमक में हमने सफाई का असली विज्ञान खो दिया है?

भारतीय सभ्यता में स्वच्छता एक गहरा वैज्ञानिक और आध्यात्मिक संस्कार रही है। एक दौर था, जब सुबह की शुरुआत चूल्हे की राख और मिट्टी की सोंधी खुशबू से होती थी, जो वास्तव में उस समय की जीवनशैली की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी थी। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए, तो वह सूक्ष्म रसायन विज्ञान का एक उत्कृष्ट उदाहरण था। मगर आज का आधुनिक समाज इसे पिछड़ेपन की निशानी समझकर त्याग चुका है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि अब हम टेलीविजन विज्ञापनों में 'नींबू और नमक की शक्ति' खोज रहे हैं, जबकि हमारे पूर्वज इन्हीं प्राकृतिक तत्त्वों के साथ रसायन-मुक्त जीवन जी रहे थे। वर्तमान में हम सुविधा के नाम पर डिब्बाबंद रसायनों तक तो पहुंच गए हैं, लेकिन इस यात्रा में हमने स्वच्छता की मूल परिभाषा को ही खो दिया है। आज प्रश्न यह नहीं है कि बर्तन और कपड़े धुलाई के बाद कितने चमक रहे हैं, बल्कि यह है कि उस कृत्रिम चमक के पीछे छिपे रसायन हमारे स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी तंत्र को किस हद तक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

वैज्ञानिक नजरिए से देखा जाए, तो राख कोई 'अपशिष्ट' नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'अपघर्षक' और 'क्षारीय' एजंट है। इसमें मुख्य रूप से पोटेशियम कार्बोनेट जैसे तत्त्व होते हैं। जब इस राख को पानी और बर्तनों पर लगी चिकनाई (वसा) के साथ रगड़ा जाता है, तो सतह पर एक ऐसी प्राकृतिक प्रक्रिया शुरू होती है, जो चिकनाई को साबुन में बदल देती है। इसके अतिरिक्त राख का उच्च 'पी-एच' स्तर इसे एक प्राकृतिक कीटाणुनाशक बनाता है, जो सूक्ष्म जीवों की कोशिका भित्ति को नष्ट कर उन्हें मार देता है। यह तकनीक न केवल शून्य-लागत और किफायती थी, बल्कि मिट्टी और जल के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित थी।

औद्योगीकरण ने हमें 'सुविधा' के आवरण में सिंथेटिक डिटर्जेंट सौंप दिए। वैज्ञानिक रूप से ये रसायन पानी के 'पृष्ठ तनाव' को कम कर सफाई तो करते हैं, लेकिन इनसे हमारे स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचता है। त्वचा संबंधी समस्याओं के अलावा ये रसायन बर्तनों की सतह पर एक अदृश्य परत छोड़ देते हैं। अंतरराष्ट्रीय शोध बताते हैं कि एक व्यक्ति अनजाने में सालाना कई ग्राम डिटर्जेंट निगल जाता है, जो पाचन तंत्र को प्रभावित करने के साथ-साथ आंतों के लाभकारी जीवाणुओं को भी नष्ट कर देता है। इसके अलावा डिटर्जेंट में मौजूद 'थैलेट्स' जैसे तत्त्व हार्मोन के असंतुलन और अंतःस्राव समस्याओं के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं।

स्वच्छता की इस विकास यात्रा में 'बायो-एंजाइम' एक क्रांतिकारी मोड़ के रूप में उभरे हैं। यह अवधारणा मूल रूप से थाईलैंड की प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा रोसुकान पूमपंवोंग द्वारा विकसित की गई है। बायो-एंजाइम फलों के छिलकों, गुड़ और पानी के किण्वन से तैयार एक जैविक अर्क है। जहां रसायनिक डिटर्जेंट पानी के पृष्ठ तनाव पर काम करते हैं, वहीं बायो-एंजाइम का विज्ञान 'प्रोटीज', 'एमाइलेज' और 'लाइपेज' जैसे सक्रिय एंजाइम पर आधारित है। ये एंजाइम कचरे और तेल के जटिल कार्बनिक अणुओं को विखंडित कर उन्हें पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। इसकी सबसे अद्भुत विशेषता यह है कि यह पानी को प्रदूषित करने के बजाय उसे शुद्ध करता है। जब यह एंजाइम युक्त पानी नालियों में जाता है, तो वह वहां मौजूद प्रदूषकों और हानिकारक जीवाणुओं को भी नष्ट करता है। जिसे हम ताजगी भरी खुशबू समझते हैं, वह वास्तव में हमारे फेफड़ों और श्वसन तंत्र के लिए नुकसानदेह होती है।

भारत के कानूनी ढांचे और वैश्विक पर्यावरणीय मानकों के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो बायो-एंजाइम का उपयोग अब केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह एक अनिवार्य नागरिक कर्तव्य बन चुका है। देश के प्रत्येक नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं संवर्धन करे। जब हम रसायनों से भरे डिटर्जेंट का उपयोग करते हैं, तो हम अनजाने में अपने इस कर्तव्य का उल्लंघन कर रहे होते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसके संसाधनों का उपभोग करता है। इसी क्रम में जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के महत्त्व को समझना भी जरूरी है। यह अधिनियम स्पष्ट रूप से नदियों और जल निकायों में किसी भी हानिकारक या प्रदूषणकारी पदार्थ के विसर्जन को प्रतिबंधित करता है।

दरअसल, सामान्य डिटर्जेंट में भारी मात्रा में फास्फेट और नाइट्रेट होते हैं, जो नालियों से होते हुए अंततः हमारी नदियों और झीलों में पहुंचते हैं। यहां एक गंभीर समस्या उत्पन्न होती है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में 'यूट्रोफिकेशन' कहा जाता है। यानी डिटर्जेंट का फास्फेट पानी में मौजूद जंगली घास और शैवाल के लिए खाद का काम करता है। इससे शैवाल इतनी तेजी से बढ़ते हैं कि वे पूरी जल सतह को ढक लेते हैं, जिससे सूरज की रोशनी और हवा की आक्सीजन पानी में नहीं पहुंच पाती है। परिणामस्वरूप, मछलियां और अन्य जलीय जीव दम तोड़ देते हैं। एक जीवित नदी इस तरह 'मृत जल निकाय' में बदल जाती है।

विधिक सिद्धांतों की बात करें, तो रासायनिक डिटर्जेंट का बेलगाम उपयोग 'प्रदूषणकारी भुगतान सिद्धांत' के दायरे में आता है। इस सिद्धांत का अर्थ है कि जो प्रदूषण फैलाता है, उसे ही उसकी भरपाई की कीमत चुकानी होगी। हालांकि, पर्यावरण को होने वाले नुकसान की भरपाई पैसों से नहीं की जा सकती, इसलिए कानूनी और नैतिक रूप से 'निवारक सिद्धांत' को अपनाना बेहद जरूरी है। बायो-एंजाइम इसी निवारक सिद्धांत का हिस्सा हैं–प्रदूषण फैलाने के बाद सफाई करने से बेहतर है कि हम ऐसा विकल्प चुनें, जो प्रदूषण पैदा ही न करे। बायो-एंजाइम का उपयोग करके हम न केवल कानून का पालन करते हैं, बल्कि दूसरों के जीवन के अधिकार का सम्मान भी करते हैं। यह एक ऐसी विधिक जिम्मेदारी है, जो हमें एक 'उपभोक्ता' से बदलकर 'जागरूक संरक्षक' बनाती है।

अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें, तो पूरी दुनिया अब रसायनों के खतरनाक प्रभाव को समझ चुकी है। यूरोपीय संघ ने अपने कड़े नियमों के जरिए यह तय कर दिया है कि केवल वही उत्पाद बाजार में टिकेंगे, जो पर्यावरण के अनुकूल हों। इसी प्रकार, अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण एजंसी भी अब स्वच्छता के लिए उन प्राकृतिक तत्त्वों को बढ़ावा दे रही है, जिनका मिट्टी और पानी की गुणवत्ता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है।

यह समझना आवश्यक है कि व्यक्तिगत स्तर पर बायो-एंजाइम का चुनाव केवल एक घरेलू बदलाव नहीं, बल्कि 'स्वच्छ भारत अभियान' के उस वृहद उद्देश्य की पूर्ति है, जो केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं, बल्कि कचरे के स्रोत पर ही उसके वैज्ञानिक निपटान की बात करता है। जब हम अपनी जीवनशैली को प्रकृति के चक्र के अनुरूप ढालते हैं, तब हम आने वाली पीढ़ी को केवल संसाधन ही नहीं, बल्कि एक 'जीवित और श्वसन योग्य पारिस्थितिकी' सौंपते हैं। मानव सभ्यता का इतिहास एक पूर्ण चक्र की तरह है, जहां हमने राख की प्राकृतिक शुद्धता से शुरुआत की और रसायनों के भंवर से होते हुए अब बायो-एंजाइम की 'समझदारी' की ओर लौट रहे हैं। राख हमारा गौरवशाली अतीत थी और बायो-एंजाइम हमारा सुरक्षित भविष्य है।

यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल और उपजाऊ मिट्टी विरासत में देना चाहते हैं, तो इस क्रांति की शुरुआत हमारी रसोई में बर्तन धोने वाली जगह से होनी चाहिए। प्रकृति के पास हर संकट का समाधान है, बशर्ते हम उसे पहचानने की वैज्ञानिक और विधिक दूरदर्शिता विकसित करें।

नारायणी कटरा मे मनाई गई संत शिरोमणि की जयंती

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर के नारायणी कटरा मे संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। सर्व समाज जनहित पार्टी द्वारा आयोजित जन्मोत्सव का शुभारंभ संत शिरोमणि रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति नारायण सिंह ने कियात्पूर्व की भांति आयोजित कार्यक्रम मे श्री सिंह ने रविदास जी को नमन करते हुए कहा कि उनके जीवन से लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए।

उन्होंने भक्ति मार्ग के जरिए देश में जाति पाति धर्म ऊंच-नीच के भेदभाव को समाप्त करने का काम किया था ऐसे संत शिरोमणि को शत शत नमन करता हूं। लोगों से उनके सिद्धांतो को आत्मसात करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर जीवन को कृतार्थ करने का आह्वान किया।इस मौके पर डा.विनय शंकर तिवारी, सिंटू शुक्ला, रामानुज त्रिपाठी, दिलीप तिवारी, मोहम्मद उमर , राम रसीले, प्रमोद कुमार, चंदर दुआ रामबाबू, मून्नू , वारिस, अरमान, लल्लन बिंद व अन्य मौजूद रहे।

एसपी की मुस्तैदी से बरामदे में सोए हुए व्यक्ति पर जानलेवा हमला में शामिल अपराधी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावां पर आवेदक प्रमोद चौहान पुत्र स्व राज नरायण चौहान निवासी ग्राम भिखमा पुर थाना सुरियावां भदोही द्वारा सूचित किया गया कि दिनांक 28.1.2026 समय लगभग 10.30 रात्रि को है। मैं अपने कमरे में सो रहा था तथा मेरा बड़ा भाई विनोद चौहान उम्र 34 वर्ष घर के बाहर बरामदे में सो रहे थें। दो व्यक्ति नाम पता अज्ञात आयें और मेरे भाई के उपर कुल्हाड़ी व लाठी डंडा से जान लेवा हमला किये जिससे मेरे भाई के दोनों पैर गम्भीर रुप से घायल हो गये जिनको ईलाज हेतु ट्रामा सेन्टर वाराणसी भर्ती कराया गया है। मेरा जमीन सम्बन्धित विवाद निजामुदीन पुत्र जबरुल्ला निवासी सुभाष नगर ग्राम कलापुर थाना ऊंज जनपद भदोही से चल रहा है। मुझे शक है कि निजामुदिन ने मेरे भाई पर हमला करवाया है। आवेदक की तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 25/2026 धारा 109 बीएनएस पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास सहित विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में एवं शुभम अग्रवाल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में बरामदे में सोए हुए व्यक्ति पर लोहे के एंगल से जोरदार प्रहार कर जानलेवा हमला/घायल करने की घटना में शामिल अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में आज दिनांक 01.02.2026 को प्रभारी निरीक्षक मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 25/2026 धारा 109 बीएनएस से संबंधित प्रकाश में आए अभियुक्त करिया उर्फ कलेक्टर पुत्र लखन्दर निवासी कनकपुर थाना सुरियावां जनपद भदोही को मड़इया नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत

चालान संबंधित मा0 न्यायालय किया गया।

पूछताछ पर अभियुक्त स्वयं अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि निजामुद्दीन पुत्र जबरुल्ला निवासी सुभाष नगर ग्राम कलापुर थाना ऊंज जनपद भदोही द्वारा मेरी मां पर कामुक दृष्टि/अभद्र टिप्पणी/गलत नजर से देखता था जिसको लेकर गांव वाले मुझे चिढ़ाते थे। जिसका मुझे बदला लेना था। मुझे पता था कि विनोद चौहान पुत्र स्व0 राज नरायण चौहान निवासी ग्राम भिखमापुर थाना सुरियावां भदोही और निजामुदीन से विवाद चल रहा है। दोनों के बीच चल रहे विवाद का लाभ लेते हुए निजामुद्दीन को फसाने के लिए मैं दिनांक-28.01.2026 को रात्रि में अपने घर से लोहे का एंगल लेकर गया और जान से मारने की नीयत से विनोद कुमार चौहान के घर जाकर उसके पैर पर जोरदार प्रहार करके मारा, जिससे उसका पैर कट गया तथा एंगल को गेहूं के खेत में फेंक दिया था और अपने घर चला गया।

साइकिल चलाने से सर्वांग व्यायाम होता है - मदन चंद श्रीवास्तव

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया। साइकिल यात्रा बड़ा चौराहा से प्रारंभ होकर ज्ञानपुर रोड होते हुए समाजसेवी मदन चंद श्रीवास्तव के आवास पहुँची, जहाँ उनका और डॉ. नवीन श्रीवास्तव का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मदन चंद श्रीवास्तव ने कहा कि साइकिल चलाना सर्वांग व्यायाम है और इससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है। डॉ. नवीन श्रीवास्तव ने नियमित योग और सुबह जल्दी उठने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे रवाना किया। यात्रा का समापन उत्सव लॉन मिर्जापुर में हुआ, जहाँ स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के नारों के साथ अभियान संपन्न हुआ।

ग्राम चौपालों के माध्यम से महिलाओं व बालिकाओं को किया जा रहा जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर शासन की मंशा के अनुरूप भदोही पुलिस द्वारा 'मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0' के तहत जनकल्याणकारी अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनपद के सभी थाना क्षेत्रों में महिला बीट अधिकारियों द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। अभियान के अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों ने गांवों, कस्बों, स्कूलों, कॉलेजों एवं धार्मिक स्थलों पर भ्रमण करते हुए ग्राम चौपालों का आयोजन किया, जहां महिलाओं व बालिकाओं की समस्याएं सुनी गईं और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान का प्रयास किया गया। इस दौरान कम्युनिटी पुलिसिंग के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा एवं आत्मरक्षा से जुड़ी अहम जानकारियां दी गईं।

महिला बीट अधिकारियों द्वारा महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क, कानूनी प्रावधानों तथा हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 1076, 1098, 108 की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए 1930 हेल्पलाइन नंबर के उपयोग के संबंध में भी बताया गया। जागरूकता के लिए पम्पलेट भी वितरित किए गए।

पुलिस ने दबोचा मोबाइल चोर, कब्जे से 1 अदद एन्ड्रायड मोबाइल फोन बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना सुरियावाँ पर आवेदक तपानाथ विश्वकर्मा पुत्र माता प्रसाद विश्वकर्मा निवासी कुसौड़ा थाना सुरियावां जनपद भदोही द्वारा सूचित किया गया कि हरिनाथ पुत्र अमरनाथ निवासी कलियापुर थाना ज्ञानपुर जनपद भदोही मेरे घर में घुसकर कुछ सामान चोरी करने लगा तभी मेरी नींद आवाज आने पर खुल गयी जब हम उठे तो हरिनाथ ने मेरा मोबाइल लेकर भाग गया। इसके संबंध में मु0अ0सं0- 27/2026 धारा 305 ए बीएनएस थाना सुरियावां जनपद भदोही का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

फुटबॉल प्रतियोगिता में पेनाल्टी शूटआउट में मुनारी ने ज्ञानपुर को हराया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ज्ञानपुर स्थित बीएन जीआईसी इंटर कॉलेज मिनी स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को बेहद रोमांचक माहौल में खेला गया। फाइनल मैच मुनारी और ज्ञानपुर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें निर्धारित समय तक दोनों ही टीमें शानदार खेल दिखाती रहीं, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी।

मैच गोलरहित बराबरी पर समाप्त होने के बाद पेनाल्टी शूटआउट कराया गया, जिसमें मुनारी की टीम ने 5 गोल दागकर जीत दर्ज की, जबकि ज्ञानपुर की टीम केवल 3 गोल ही कर सकी। इस प्रकार मुनारी की टीम टूर्नामेंट की विजेता बनी, जबकि ज्ञानपुर की टीम को उपविजेता घोषित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में उपविजेता ज्ञानपुर टीम को 11, 000 रुपये नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिसे जिला पंचायत सदस्य अंजनी शुक्ला एवं ज्ञानपुर के पूर्व चेयरमैन हीरालाल मौर्य द्वारा प्रदान किया गया।

वहीं विजेता मुनारी टीम को 21, 000 रुपये नगद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की गई। विजेता टीम के खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि भदोही के पूर्व सांसद डॉ. रमेश चंद बिंद एवं शाहिद रजा रिजवी द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों को अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

इनोवा कार के टक्कर से गलत दिशा से जा रहे बाइक सवार दो घायल

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के गोपपुर मे राष्ट्रीय राजमार्ग पर इनोवा कार व बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। घटना के बारे में बताया जाता है प्रतापगढ़ जनपद के विरौती पट्टी निवासी विकास यादव 30 वर्ष व दीपक विश्वकर्मा 35 वर्ष अपने अपाचे बाइक से विंध्याचल दर्शन करने गए थे जहां से रविवार को सुबह वापस लौट रहे थे राष्ट्रीय राजमार्ग पर रांग साइड से दक्षिणी लेन पर जा रहे थे इस दौरान वाराणसी से प्रयागराज गंगा स्नान करने जा रहे श्रद्धालु की इनोवा कार से बाइक की भिड़ंत हो गई जिसमें जहां इनोवा कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया वही कार सवार पूरी तरह सुरक्षित रहे। बाइक सवार विकास यादव की हालत जहां गंभीर हुई वहीं दीपक विश्वकर्मा को भी काफी चोटे आई। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया जहां से विकास यादव को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस इनोवा और बाइक को थाना ले गई और मामले की जांच पड़ताल करने में लगी है।

बाँदा को छः विकेट हराकर सेवाश्रम इंटर कॉलेज ने जीता खिताब

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।सुरियावां क्षेत्र के महर्षि आज़ाद स्टेडियम मेढ़ी में तेजधर ब्रह्मबाबा खेल समिति द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांच से भरपूर रहा। रविवार को फाइनल मैच में सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बाँदा को छः विकेट से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में बाँदा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 190 रन बनाए। बाँदा की ओर से राहुल राज ने 43 गेंदों पर 82 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सौरभ प्रताप ने 19 गेंदों पर 42 रन बनाकर मुकाबले को रोमांचक बनाए रखा।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां की टीम ने 18.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से यश ने 31 गेंदों पर 54 रन की विस्फोटक पारी खेली।

वहीं अनुराग राघव ने 33 गेंदों पर नाबाद 52 रन और दुर्गा चरण ने नाबाद 29 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

बाँदा की ओर से गेंदबाजी में वैभव पाल (3 ओवर, 32 रन, 1 विकेट), ध्रुव प्रताप सिंह (3 ओवर, 41 रन, 1 विकेट) और रंजीश कुमार (4 ओवर, 42 रन) ने संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य का बचाव नहीं कर सके।

मैच समाप्त होने के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइज़र प्रतीक महर्षि दुबे एवं फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि मडियाहू विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने विजेता व उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

इस दौरान विजेता सेवाश्रम इंटर कॉलेज सुरियावां को 1, 00, 000 रुपये नगद व ट्रॉफी, जबकि उपविजेता बाँदा की टीम को 50, 000 रुपये नगद व ट्रॉफी प्रदान की गई।फाइनल मैच के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि 'ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। ऐसे आयोजन युवाओं को नई दिशा देते हैं। भविष्य में सुरियावां क्षेत्र में मिनी स्टेडियम के निर्माण के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।' वहीं प्रतियोगिता के चीफ ऑर्गेनाइज़र प्रतीक महर्षि दुबे ने कहा कि 'इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को मंच देना है। खिलाड़ियों और दर्शकों का जो सहयोग मिला है, उससे आगे भी ऐसे बड़े आयोजन कराए जाएंगे।'

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सचिव अमर बहादुर सिंह, सुरेश चंद्र मिश्रा, मोनू मिश्रा, विजयशंकर राय, राजमणि पांडेय, मथुरा प्रसाद यादव, दिनेश यादव दादा, जमींदार बिंद, राजकुमार सरोज, जेपी सिंह, श्याम बहादुर यादव, परमेंद्र गौतम, , मनोज गौतम, अतुल सिंह, नितेश श्रीवास्तव, आशीष उपाध्याय सनी सिंह सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन करेगा 11 दिवसीय निःशुल्क विज्ञान महोत्सव का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में हिन्दू विज्ञान को आम जनमानस तक सरल, रोचक और व्यवहारिक रूप में पहुँचाने के उद्देश्य से डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन, गोरखपुर द्वारा एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है। संस्था द्वारा 02 फरवरी 2026 से 12 फरवरी 2026 तक निःशुल्क विज्ञान जागरूकता कार्यक्रमों की एक व्यापक श्रृंखला आयोजित की जाएगी।इस विशेष आयोजन के अंतर्गत हैंड्स-ऑन साइंस एक्टिविटी, दूरबीनों द्वारा आकाश दर्शन, वैज्ञानिक व्याख्यान, तथा प्रयोग आधारित कार्यशालाएं आयोजित होंगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों, युवाओं और आम नागरिकों में वैज्ञानिक सोच, तार्किक दृष्टिकोण और नवाचार की भावना को विकसित करना है।डे एंड नाईट स्पेस फाउंडेशन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि यह संपूर्ण कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कोई भी स्कूल, कॉलेज, शैक्षणिक संस्था या सामाजिक संगठन अपने परिसर में इस विज्ञान कार्यशाला का आयोजन कराने हेतु संस्था से संपर्क कर सकता है।कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित विज्ञान विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। इनमें गुजरात से प्रसिद्ध विज्ञान संचारक सी. चंद्रमौली, हरियाणा से विज्ञान संचारिका चित्रा सिंह, फाउंडेशन के सीईओ राहुल व्यास, खगोल-भौतिकविद संतोष कुमार, संयोजक गिरिजेश, गणितज्ञ डॉ. अनूप कुमार सिंह, रोबोटिक्स विशेषज्ञ अविनाश भास्कर सहित कई अन्य विशेषज्ञ शामिल होंगे।फाउंडेशन की संस्थापक प्रिया यादव ने बताया कि यह पहल विज्ञान को किताबों की सीमाओं से बाहर निकालकर समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करना है, ताकि देश को विक्रम साराभाई, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, कल्पना चावला और राकेश शर्मा जैसे वैज्ञानिक व्यक्तित्व मिल सकें। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष प्रयोगों द्वारा विज्ञान को समझने का अवसर मिलेगा, जिससे उनमें अनुसंधान, नवाचार और वैज्ञानिक जिज्ञासा का विकास होगा।

एक नफर वांछित बाल अपचारी को निगरानी में लेकर न्यायालय पुलिस भेजा

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में अमित कुमार थानाध्यक्ष थाना पथरा बाजार के नेतृत्व मे थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 006/2026 धारा 137(2), 87 बीएनएस से सम्बंधित वांछित बाल अपचारी को को उप निरीक्षक सतोष कुमार सिह, कास्टेबल अनुपम मौर्या, महिला कांस्टेबल वविता भारती की निगरानी में लेकर न्यायालय भेजा।

विधायक कपिलवस्तु की पहल पर सड़को का बिछा जाल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा कुल 54 मार्गों के सामान्य मरम्मत कार्य हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस स्वीकृति को क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताते हुए कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति कपिलवस्तु विधानसभा की जनता की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया है। विधायक श्यामधनी राही ने बताया कि इन सड़कों के मरम्मत कार्य से ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और कृषि कार्यों को भी गति मिलेगी। लंबे समय से जर्जर मार्गों की मरम्मत की मांग की जा रही थी, जिसे अब सरकार ने गंभीरता से पूरा किया है। स्वीकृत प्रमुख संपर्क मार्गो में पकडी उदयपुर से छोटकी हरैया संपर्क मार्ग, हरेपा सात प्राथमिक विद्यालय से तरकुलहा संपर्क मार्ग, पीकापार संपर्क मार्ग, पीकापार से परसा संपर्क मार्ग, बर्तीपुर-5 (बेलहरि) से बर्डपुर नं0-5 (गोसाइडीह) संपर्क मार्ग, ककरहवा पिपरहवा मार्ग से लालपुर संपर्क मार्ग, चयनपुर ककरहवा मार्ग के किमी-03 से पिपरसन संपर्क मार्ग, नौगढ़ महापाली मार्ग के किमी-6 से महदेवा संपर्क मार्ग, ककरहवा खैराटी मार्ग से बरदहवा संपर्क मार्ग, बरगदी चौराहे से पकड़ी दीगर संपर्क मार्ग, एनएच-233 से सगरहवा संपर्क मार्ग, दुलहा दलदलहा मार्ग से केवटलनाथ होते हुए सेमरी तक संपर्क मार्ग, ककरहवा खेराटी मार्ग से मजगावा संपर्क मार्ग, अलीगढ़वा बर्डपुर बिहरा से बहोरवा (उत्तर) गांव तक संपर्क मार्ग, बूढ़ा खास संपर्क मार्ग, युसुफपुर सडडा भगवानपुर होते हुए वैरीजोत संपर्क मार्ग, बर्डपुर पल्टादेवी मार्ग से कंचनिया दक्षिणी संपर्क मार्ग, रेस्ट हाउस नौगढ़ का आंतरिक मार्ग, एलडी मार्ग से दुल्लहा दरम्यानी, बैजनाथपुर रतनपुरवा, टुगौरा संपर्क मार्ग, कुशभौना से खीरीहवा डीह संपर्क मार्ग, ककरही टडिया गायघाट से कुसम्ही संपर्क मार्ग, मधुबनवा संपर्क मार्ग, उसका सोहास मोहाना से बरोहिया खालसा संपर्क मार्ग, महादेवा पटनी जंगल से काकोरी संपर्क मार्ग, मोहाना रामपुर मार्ग से केवलपुर संपर्क मार्ग, तिलकहना हरदासपुर से कोईलहवा नरायनपुर संपर्क मार्ग, नौगढ़ कोडराग्रांट से कपिया बुकनिहा ग्रांट मार्ग, एफएनबीएस से कटकी संपर्क मार्ग, कोल्हुआ से देवतहवा ग्रांट संपर्क मार्ग, उसका बृजमनगंज से भवनियापुर संपर्क मार्ग, एनएच-730 से मेहदिया खुर्द व मेहदिया बुजुर्ग संपर्क मार्ग, उसका बृजमनगंज सेमरहना मार्ग से जयपुर सम्पर्क मार्ग, भठिया महादेवा से धोबहा संपर्क मार्ग, कटकी से चौहानडीह संपर्क मार्ग, पकड़ी उदयपुर से सिंहोरवा व पकड़ी उदयपुर से सजनापार संपर्क मार्ग, सजनापार से बेरिपहवा संपर्क मार्ग, एफएनबीएस मदनपुर से दैजौली सम्पर्क मार्ग, कुआं हाटा से छितरापार सम्पर्क मार्ग, एफएनबीएस से नौखनिया सम्पर्क मार्ग, एफएनबीएस दैजौली मदनपुर संपर्क मार्ग, मोहाना लोटन से फुलवरिया संपर्क मार्ग, लोटन नेपाल सीमा से विजदेईया संपर्क मार्ग, मोहाना लोटन से लकडा होते हुए लोधपुरवा संप क मार्ग, कोल्हुआ से ठडवरिया संपर्क मार्ग, एफएनबीएस से जगदीशपुर खुर्द-डिहवा संपर्क मार्ग, घेन्सा महादेवा से अहिरनडीह संपर्क मार्ग, एनएच-233 से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय होते हुए महिला मार्ग, एनएच-730 से बसहिलिया संपर्क मार्ग, नौगढ़ महापाली से पिछौरा संपर्क मार्ग तथा एनएच से कोल्हुआ दाता संपर्क मार्ग शामिल हैं।

विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसानों की जरूरतों को प्राथमिकता दे रही है, और सड़क कनेक्टिविटी मजबूत कर विकास को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि शीघ्र ही सभी स्वीकृत मार्गों पर मरम्मत कार्य प्रारंभ होगा, जिससे आमजन को राहत मिलेगी।

गेस्ट हाउस की आड़ में चल रहा था जिस्मफरोशी का धंधा, आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए लड़कियों और ग्राहक, 5 गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के वाराणसी के भेलूपुर थाना क्षेत्र में एक गेस्ट हाउस की आड़ में चल रहे अनैतिक देह व्यापार के अड्डे का स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी-2) और पुलिस टीम ने छापेमारी कर भंडाफोड़ किया। पुलिस ने मौके से तीन युवतियों समेत पाँच लोगों को हिरासत में ले लिया है। यह सभी लोग आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए है। पुलिस की छापेमारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति द्वारा हेल्पलाइन नंबर पर सूचना मिली थी कि त्रिदेव मंदिर के सामने स्थित विजय लक्ष्मी गेस्ट हाउस में अनैतिक देह व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना मिलने के बाद एसओजी-2 और पुलिस टीम ने छापा मारा तो एक कमरे में तीन युवतियाँ और एक ग्राहक मिला। सभी को हिरासत में ले लिया गया। होटल संचालक को भी हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में पता लगाया जा रहा है कि ये युवतियाँ कहाँ से आई हैं। कुछ युवतियों ने बातचीत में खुद को बाहर की बताने की कोशिश की है। इस छापेमारी के दौरान पुलिस को आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई। जांच में पता चला कि गेस्ट हाउस का इस्तेमाल सेक्स रैकेट संचालन के लिए किया जा रहा था। सभी को हिरासत में ले लिया गया है। वहीं संचालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की तैयारी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि यह नेटवर्क कब से सक्रिय था और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल, आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सीतारमण ने पेश किया आम बजट, मुख्यमंत्री ने बताया दूरदर्शी और लोक-कल्याणकारी, वित्त मंत्री का जताया आभार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रस्तुत केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि यह 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प पत्र है। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'पावन माघी पूर्णिमा एवं सद्गुरु रविदास जी महाराज की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में आज (रविवार को) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 'विकसित भारत' के निर्माण का एक प्रेरणादायी संकल्प-पत्र है।'

उन्होंने कहा 'यह बजट युवाओं को अवसर, किसानों को सुरक्षा, उद्यमियों को प्रोत्साहन, मध्यम वर्ग को राहत और श्रमिकों को सम्मान प्रदान करेगा।' योगी ने कहा ' यह बजट नवाचार, विनिर्माण और रोजगार को नई गति देने के साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, अवसंरचना, पर्यटन, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सशक्त बनाते हुए 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को साकार करेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एमएसएमई, स्टार्टअप और स्वदेशी उत्पादन को समर्थन देकर

'आत्मनिर्भर भारत' की नींव को और सुदृढ़ किया गया है।

योगी ने भरोसा जताते हुए कहा, 'पूर्ण विश्वास है कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और सुशासन के माध्यम से यह बजट वर्तमान के साथ भविष्य के भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।' उन्होंने कहा, 'इस दूरदर्शी एवं लोक-कल्याणकारी बजट के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार एवं वित्त मंत्री जी का धन्यवाद।' वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, ' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन, केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 युवा और महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन तथा शिक्षा-स्वास्थ्य के सुदृढ़ीकरण पर केंद्रित है। यह बजट ठोस नीतियों और परिणामोन्मुख दृष्टि के साथ 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाता है।'

उन्होंने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग से इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य से पर्यटन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था से एआई, खेल से तीर्थ- हर क्षेत्र में व्यापक अवसर खोलता यह विकसित भारत बजट भारत को उभरते आर्थिक शक्ति-केंद्र के रूप में नई पहचान देता है।' उन्होंने पोस्ट में मोदी और सीतारमण के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा 'प्रधानमंत्री की दूरदर्शी आर्थिक नीतियों से भारतीय अर्थव्यवस्था को जो मजबूती मिली है, यह बजट उसी गति को और तेज करता है।'

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 'एक्स' पर कहा, 'केंद्रीय बजट 2026-27' सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी, विकासोन्मुखी एवं करोड़ों देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है।' उन्होंने कहा, 'बजट 2026-27 के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिद्ध किया है कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी सरकार का संकल्प है।'

फार्म-7 भेज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रच रही भाजपा : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत गाँवों में पहले से छपे फार्म-7 भेजे जाने को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इन फार्मों के जरिए फर्जी आपत्तियाँ दर्ज कर विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने की साजिश रची जा रही है। रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कई मामलों में शिकायतकर्ता का कोई अता-पता नहीं है और फर्जी हस्ताक्षर करवाकर नाम हटवाए जा रहे हैं।

सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में खासतौर से पीडीए समाज और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। कई मतदाताओं को तो यह भी जानकारी नहीं है कि उनके सभी दस्तावेज सही होने के बावजूद उनके नाम पर आपत्ति लगा दी गई है। सपा अध्यक्ष ने माननीय न्यायालय, निर्वाचन आयोग और समस्त पत्रकारों से इस 'महाघोटाले' का संज्ञान लेने की अपील की है।

साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय व स्थानीय मीडिया, यूट्यूबर और लोकल न्यूज़ कर्मियों से लोकतंत्र के हित में इस कथित साजिश का पर्दाफाश करने का आग्रह किया। अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी ऐसे मामलों को देश-प्रदेश के सामने लाएगी और ईमानदार पत्रकारिता करने वालों का समर्थन करेगी।

दबंगों ने हाथरस में आरएसएस के जिला प्रचारक पर बोला हमला, पुलिस ने आरोपियों पर लिया एक्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के हाथरस जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक पर रविवार सुबह कथित तौर पर एक विवाद के बाद पांच लोगों ने हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरएसएस के घायल जिला प्रचारक जयकिशोर को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें आगरा रेफर किया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और तीन अन्य की तलाश में जुट गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के समय प्रचारक जयकिशोर शहर से वापस आरएसएस के नवल नगर स्थित कार्यालय आ रहे थे। जैसे ही उनकी कार नवल नगर में पहुंची, सामने से स्कूटी सवार दो युवक आ गए। यहां वाहन आगे-पीछे करने को लेकर पहले विवाद हुआ, फिर अचानक युवकों ने उन पर हमला कर दिया। विवाद की सूचना मिलने पर युवकों के अन्य साथी भी वहां आ गए।

उन्होंने बताया कि जिला प्रचारक की कार में तोड़फोड़ करते हुए उन्हें नीचे उतार लिया गया और लात घूसों से पीटा गया। वारदात

की जानकारी पर संगठन के कार्यकर्ता व पुलिस मौके पर पहुंच गई। विधायक सदर अंजुला माहौर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह सहित पार्टी तथा आरएसएस के तमाम पदाधिकारी भी मौके पर आये।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) चिरंजीवनाथ सिन्हा ने कहा कि आरएसएस प्रचारक के साथ मारपीट की इस घटना में पांच स्थानीय लोग शामिल रहे हैं, जिनमें से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है और तीन अन्य की तलाश की जा रही है। एसपी ने कहा कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। इस घटना से भाजपा तथा आरएसएस संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में आक्रोश व्याप्त है।

पहले किया पति का मर्डर, फिर मिटाई हवस की भूख लाश के पास रातभर मामी ने भांजे संग बनाए संबंध

शाहजहांपुर। पुलिस ने शाहजहांपुर जिले में भांजे के साथ कथित प्रेम संबंधों के कारण अपने पति की हत्या करने की आरोपी महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान मृतक की पत्नी पूजा (25) तथा उसके भांजे आदेश (22) के रूप में की गई है। उसने बताया कि आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने बताया कि थाना पुवाया अंतर्गत भटपुरा गांव में रहने वाले बलराम (30) का शव उसके घर में बुधवार को चारपाई पर मिला था। द्विवेदी ने बताया कि बलराम की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या की गई थी। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई ने इस मामले में थाना पुवाया में शिकायत दर्ज कराई। द्विवेदी ने शिकायत के हवाले के बताया कि पूजा के आदेश से प्रेम संबंध हैं और मृतक के भाई ने इस हत्या में उन दोनों का हाथ होने का संदेह जताया है। उन्होंने बताया कि पुवाया पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया और उसने आदेश के साथ प्रेम संबंध की बात पूछताछ के दौरान स्वीकार की। द्विवेदी के अनुसार, पूजा ने स्वीकार किया कि उसने और आदेश ने हंसिया से बलराम का गला काटकर उसकी हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक, इस वारदात को अंजाम देने से पहले पत्नी पूजा ने अपने पति बलराम के साथ संबंध बनाए और उसी दौरान बड़ी बेरहमी से उसका गला काट दिया। हैरान करने वाली बात ये है कि उसी रात पति की हत्या करने के बाद पूजा ने अपने प्रेमी के साथ भी संबंध बनाए और फिर उसे वहां से भगा दिया।

महिलाओं और बालिकाओं को पुलिस ने सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के निर्देशन में मिशन शक्ति टीम द्वारा थानाक्षेत्र के ग्राम अगया मे महिलाओं व बालिकाओं को खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी दहेज उत्पीड़न पॉक्सो एक्ट महिला संबन्धित मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया।

मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर और नए कानून के बारे में उप निरीक्षक राजकुमार यादव, महिला कांस्टेबल कंचन लता सिंह, महिला कांस्टेबल अंबिका ने किया जागरूक।

किसान संगठन की बैठक सम्पन्न

प्रयागराज। भाकियू अराजनैतिक संगठन की एक किसान बैठक (ग्राम टिकरी) थाना नवाबगंज मेन रोड पर की गई। इस मौके पर सैकड़ो गरीब किसान मौजूद रहे ग्राम सभा टिकरी एवं गंगागंज मूसेपुर दिलावलपुर जगदीशपुर एवं कई अन्य गांवों के गरीबों और किसानों की कीमती बेश बहुफसली जमीन को आवास विकास परिषद प्रयागराज के द्वारा बिना किसानों की सहमति लिए जबरन अधिग्रहण करना चाहती है जिसके कारण गरीबों और किसानों में आक्रोश दुख व्याप्त है किसान अपनी कीमती विश जमीन नहीं देना चाहता इस विषय पर एक बड़ी चर्चा की गई आवास विकास परिषद प्रयागराज को जमीन न देने का निर्णय लिया गया इसके संबंध में पुनः दिनांक 9 फरवरी 2026 को एक किसान बैठक की जाएगी उसमें बड़ा निर्णय लेकर आवास विकास लखनऊ उत्तर प्रदेश कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा यह बैठक बबलू दूबे मंडल अध्यक्ष मंडल प्रयागराज की अगुवाई में की गई मौके पर अजय कुमार सिंह युवा मंडल अध्यक्ष पप्पू पासी ग्राम प्रधान टिकरी अभिषेक पांडे टिकरी चंचल मिश्रा युवा मंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार मंडल सचिव विजय कुमार पटेल युवा गंगा पार अध्यक्ष अंगद मौर्या ब्लॉक अध्यक्ष माशूक ब्लॉक अध्यक्ष ज्ञान सिंह पटेल ब्लॉक अध्यक्ष आदि सैकड़ो लोग रहे।

माघ पूर्णिमा केवल अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और अंतर्मन के जागरण का पर्व : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। पवित्र माघ पूर्णिमा के पुण्य अवसर पर समस्त देशवासियों, श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को परमार्थ निकेतन से शुभकामनाएँ। माघ मास अत्यंत पवित्र होने के साथ तप, साधना, दान तथा स्नान का महीना है। इस मास में किए गए जप, तप, व्रत और तीर्थस्नान का फल अनेक गुना बढ़ जाता है, और माघ पूर्णिमा इसका परम मंगलमय समापन पर्व है। माघ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों विशेषकर गंगा, यमुना और संगम में स्नान करने से समस्त पापों का क्षय होता है तथा मन, वचन और कर्म की शुद्धि प्राप्त होती है। यह तिथि भगवान विष्णु एवं चंद्रदेव की आराधना के लिए विशेष है। इस दिन दान, हवन, सत्संग, कथा-श्रवण और भजन-कीर्तन के माध्यम से ईश्वर के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करे।

माघ पूर्णिमा केवल बाहरी अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि

आत्मशुद्धि और अंतर्मन के जागरण का भी संदेश देती है। यह हमें संयम, सेवा, करुणा और परोपकार की भावना से वन ने की प्रेरणा प्रदान करती है। सनातन परंपरा में 'दान' और 'स्नान' के साथ 'ज्ञान' का विशेष महत्व है, जो आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर करती है।

संत रविदास का वन प्रेरित करता है कि हम प्रेम, समानता और सेवा के मूल्यों को अपनाकर एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान दें। उनकी शिक्षाएँ वर्तमान समय में और भी प्रासंगिक हैं, जब समाज को आपसी सद्भाव और आध्यात्मिक जागृति की आवश्यकता है। इस पावन अवसर पर हम संत रविदास की साधना को नमन करते हुये उनके आदर्शों को अपने वन में उतारने का संकल्प लें।

कैश्मनी प्रतियोगिता टूर्नामेंट का हुआ समापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थरवई क्षेत्र के स्टार स्पोर्टिंग क्लब पंडिला में आयोजित कैश्मनी प्रतियोगिता टूर्नामेंट का समापन हो गया। इस टूर्नामेंट में भगवान अन्ना स्पोर्टिंग क्लब पंडिला ने त हासिल की, जबकि फाफामऊ स्पोर्टिंग क्लब उपविजेता रही।

विजेता टीम को 15, 000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया, वहीं उपविजेता टीम को 11, 000 रुपये मिले। यह पुरस्कार संरक्षक अफजल खान द्वारा प्रदान किए गए।

यह प्रतियोगिता 15 जनवरी को शुरू हुई थी और इसमें कई टीमों ने हिस्सा लिया।

टूर्नामेंट के फाइनल में मुख्य अतिथि के रूप में दूधनाथ पटेल, आदिल हमजा और जिला पंचायत सदस्य मौजूद रहे।

इस अवसर पर अध्यक्ष राजू यादव, चंदन तिवारी, दीपक पांडेय, अंशु यादव, बृजेश यादव, नरेंद्र शर्मा, ज्योति यादव, बीनू सर, रामअचल प्रधान, अतुल शर्मा, अशोक यादव और चिंटू यादव सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

बनारस लिट फेस्ट' में भारतीय रेलवे की विरासत और आरेडिका की उपलब्धियों पर प्रशांत कुमार मिश्रा का सारगर्भित वक्तव्य

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, उत्तरप्रदेश एवं रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला पंजाब के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने बनारस में 30 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रतिष्ठित 'बनारस लिट फेस्ट' में सहभागिता की।

इस अवसर पर मिश्रा ने आरेडिका में निर्मित अत्याधुनिक रेल कोचों, फोर्ज्ड व्हीलों तथा आरेडिका में निर्मित पहली वंदे भारत ट्रेन के निर्माण और तकनीकी विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके वक्तव्य ने भारतीय रेलवे की निर्माण क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रही उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशांत कुमार मिश्रा ने भारतीय रेलवे के इतिहास पर आधारित अपनी चर्चित पुस्तक 'रेल्स थ्रू राज' के बारे में भी उत्साही श्रोताओं को अवगत कराया। यह पुस्तक प्राथमिक ऐतिहासिक स्रोतों पर आधारित है तथा ब्रिटिश काल में भारतीय रेलवे के विकास को वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं तथ्यात्मक विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करती है।

मिश्रा की गहन शोधपरक दृष्टि एवं प्रभावशाली लेखन शैली ने इस कृति को सामान्य पाठकों के साथ-साथ इतिहास एवं रेलवे विषयक शोधकर्ताओं के लिए भी अत्यंत उपयोगी एवं रुचिकर बना दिया है। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यप्रेमियों एवं विद्वानों ने उनके विचारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मिश्रा के साथ वार्ता 'बनारस लिट फेस्ट' कार्यक्रम के सदस्य अमित सिंह ने की।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट बलवा, 20 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

थरवई। थाना क्षेत्र के पैगंबरपुर गांव में रविवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। संघर्ष में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरे पक्ष के दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले में 20 लोगों के खिलाफ बलवा और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, पैगंबरपुर गांव निवासी सोनूयादव पुत्र चंद्रशेखर का दूसरे पक्ष के शिव मूरत, यादव राम मूरतयादव आदि से जमीन को लेकर कई वर्षों से विवाद चला आ रहा है। दोनों एक ही परिवार के हैं कछार में पांच बीघे जमीन को लेकर दोनों पक्षों में कई वर्षों से विवाद चला आ रहा है रविवारदोपहर इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिसके बाद कहासुनी मारपीट में बदल गई।

जियो-बीपी ने लॉन्च की इंजन क्लीनिंग एक्टिव टेक्नोलॉ

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने आज गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान जियो-बीपी के स्टाल का दौरा किया, जहां क्रांतिकारी एक्टिव टेक्नोलॉपेट्रोल प्रदर्शित किया गया था। जियो-बीपी का एक्टिव पेट्रोल इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों को साफ करने, इंजन की क्षमता को बहाल और सुरक्षित रखने, और वाहन चालकों को सामान्य पेट्रोल की तुलना में सालाना लगभग 100 किमी तक अधिक दूरी तय करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। और यह सब बिना किसी अतिरिक्त कीमत के उपलब्ध है।

गाय से किया दुष्कर्म, बैतूल में भड़की हिंसा

हिंदूवादी संगठनों ने जला डाले मुस्लिमों की दुकानें और घर! इलाके में तनाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बैतूल जिले के दामजीपुरा गांव में रविवार को सनसनीखेज घटना सामने आई, जब पशु से दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने के बाद आक्रोशित हिंदूवादी संगठनों के लोगों ने दो दुकानों में आग लगा दी। इनमें से एक आरोपी की अपनी दुकान है। पुलिस ने आरोपी को पकड़कर हिरासत में ले लिया है।

सूत्रों के अनुसार, वीडियो वायरल होने के बाद सुबह 10 बजे से ही बवाल शुरू हो गया। भीड़ ने सबसे पहले आरोपी की दुकान में आग लगाई और इसके बाद पास की एक अन्य दुकान में तोड़फोड़ और आगजनी की।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए भैंसदेही, चिचोली और मोहदा थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। पुलिस लाइन से वज्रा वाहन और अतिरिक्त बल सुबह 11.45 बजे रवाना हुए। दोपहर 1.35 बजे पुलिस फोर्स गांव पहुंची और भीड़ को हटाने की कोशिश की।

घटना के दौरान कई दुकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा। टायर पंक्चर की दुकान, इलेक्ट्रॉनिक और मोबाइल दुकान, टेलरिंग शॉप में तोड़फोड़ हुई। दो दुकानों में आग लगी और कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे हिरासत में ले लिया। यह भी पता चला कि वीडियो पुराना है। भीड़ ने इस दौरान पुलिस चौकी में घुसकर आरोपी के साथ मारपीट भी की।

भारत में बदलेगी खेलों की तस्वीर, बजट 2026 में 'खेलो इंडिया मिशन' का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार ने देश में खेलों को जमीनी स्तर से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2026-27 पेश करते हुए 'खेलो इंडिया मिशन' शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इस मिशन का उद्देश्य अगले दशक में प्रशिक्षण केंद्रों, कोचों और खेल ढांचे के व्यवस्थित विकास के जरिए प्रतिभा निखारना है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और करियर के कई अवसर पैदा करता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में शुरू किए गए खेलो इंडिया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए सरकार अब इसे एक व्यापक और एकीकृत मिशन के रूप में लागू करना चाहती है, जिससे खेल क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव लाया जा सके।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि खेलो इंडिया मिशन के तहत, प्राथमिक, मध्यवर्ती और विशिष्ट स्तर के प्रशिक्षण केंद्र विकसित किए जाएंगे, कोचों और सहायक स्टाफ का व्यवस्थित विकास किया जाएगा। खेल विज्ञान और आधुनिक तकनीक को प्रशिक्षण से जोड़ा जाएगा, देशभर में प्रतियोगिताओं और लीगों के आयोजन को बढ़ावा मिलेगा, प्रशिक्षण और मुकाबलों के लिए खेल अवसंरचना को मजबूत किया जाएगा, इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर मंच और संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि भारत में उच्च गुणवत्ता और किफायती खेल सामान के निर्माण की बड़ी संभावनाएं हैं। इसके लिए सरकार खेल सामान उद्योग के लिए एक समर्पित पहल शुरू करेगी, जिससे उपकरण डिजाइन, सामग्री विज्ञान, विनिर्माण अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया है। इस कार्यबल ने उच्च गुणवत्ता वाले कोच तैयार करने और उनके लिए लक्ष्य ओलंपिक पोडियम कार्यक्रम जैसी योजना शुरू करने की सिफारिश की है, ताकि कोचों को भी शीर्ष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय सहायता मिल सके और भारत की पदक संभावनाएं मजबूत हों।

भारत वर्ष 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। ऐसे में खेलो इंडिया मिशन को भविष्य की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

बजट 2026 का बड़ा ऐलानः स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में लाखों नौकरियां, 1 लाख प्रोफेशनल्स को मिलेगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को घोषणा की कि सरकार संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मौजूदा संस्थानों का उन्नयन करेगी और निजी एवं सरकारी दोनों क्षेत्रों में नए संस्थान स्थापित करेगी। इस पहल का उद्देश्य अगले 5 वर्षों में ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया और एप्लाइड साइकोलॉजी सहित 10 चयनित विषयों में 1 लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित करना है। केंद्रीय बजट 2026 पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार वृद्धावस्था चिकित्सा और संबद्ध देखभाल सेवाओं को शामिल करते हुए एक मजबूत देखभाल प्रणाली भी विकसित करेगी।

इसे प्राप्त करने के लिए, राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा (एनएसक्यूएफ) के अनुरूप कई कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे ताकि बहु-कुशल देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा सके, जिनमें मुख्य देखभाल के साथ-साथ स्वास्थ्य, योग और चिकित्सा सहायक उपकरणों के संचालन जैसे संबद्ध कौशल भी शामिल हों। आने वाले वर्ष में 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में, संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए मौजूदा संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा और निजी एवं सरकारी दोनों क्षेत्रों में नए संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर संस्थान स्थापित किए जाएंगे। इसमें ऑप्टोमेट्री, रेडियोलॉजी, एनेस्थीसिया, ओटी तकनीक, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान और व्यवहारिक स्वास्थ्य सहित 10 चयनित विषय शामिल होंगे और अगले पांच वर्षों में एक लाख संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि वृद्धावस्था देखभाल और संबद्ध देखभाल सेवाओं को शामिल करते हुए एक मजबूत देखभाल प्रणाली विकसित की जाएगी। बहु-कुशल देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए एनएसक्यूएफ-अनुरूप विभिन्न कार्यक्रम बनाए जाएंगे, जिनमें मुख्य देखभाल और स्वास्थ्य, योग और चिकित्सा सहायक उपकरणों के संचालन जैसे संबद्ध कौशल शामिल होंगे। आगामी वर्ष में 1.5 लाख देखभालकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

भारत को चिकित्सा पर्यटन के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सरकार निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में, राज्यों को देश भर में पांच क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करने में सहायता देने के लिए एक योजना शुरू करेगी। ये केंद्र चिकित्सा, शिक्षा और अनुसंधान सुविधाओं को मिलाकर एकीकृत स्वास्थ्य सेवा परिसर के रूप में कार्य करेंगे। इन केंद्रों में आयुष केंद्र, चिकित्सा मूल्य पर्यटन सुविधा केंद्र और निदान, पश्चात देखभाल और पुनर्वास के लिए बुनियादी ढांचा शामिल होगा।

शी मार्ट्स से लेकर गर्ल्स हॉस्टल तक बजट में महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 में महिलाओं और लड़कियों को आर्थिक व शैक्षणिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया है। इस बजट में इनकम जेनरेशन, महिला उद्यमिता और सुरक्षित शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को केंद्र में रखा गया है।

सरकार ने लखपति दीदी योजना को और मजबूत करने का ऐलान किया है। इस योजना के तहत महिलाओं द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूहों को ?5 लाख तक का ब्याज मुक्त ऋण सरकारी सब्सिडी के साथ दिया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्थायी आजीविका से जोड़कर उन्हें कम से कम ?1 लाख सालाना आय के स्तर तक पहुंचाना है।

लखपति दीदी मॉडल की सफलता को आगे बढ़ाते हुए सरकार ने 'शी मार्ट्स' लॉन्च करने की घोषणा की है। ये मार्ट पूरी तरह से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा चलाए और प्रबंधित किए जाएंगे। यहां पर महिलाओं द्वारा बनाए गए खाद्य पदार्थ, हस्तशिल्प, कपड़े और स्थानीय उत्पाद बेचे जाएंगे। बिचौलियों को हटाकर शी मार्ट्स का लक्ष्य मुनाफा बढ़ाना, महिलाओं द्वारा ब्रांड बिल्डिंग को बढ़ावा देना और उन्हें उनके व्यवसायों का सच्चा स्वामित्व देना है।

बजट में महिला रोजगार और आय वृद्धि योजना की भी घोषणा की गई है। इसका फोकस ऐसे स्केलेबल मॉडल पर होगा जहां महिलाएं सिर्फ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि एंटरप्रेन्योर और निर्णय लेने वाली भूमिका में होंगी।

शिक्षा क्षेत्र में एक बड़ी घोषणा के तहत देश के हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाएंगे। इससे छात्राओं को सुरक्षित और किफायती आवास मिलेगा और खासकर ग्रामीण इलाकों की लड़कियों में ड्रॉपआउट रेट कम होने की उम्मीद है।

रणजी ट्रॉफी : पुडुचेरी ने राजस्थान को पांच विकेट से हराया

पुडुचेरी। जसवंत श्रीराम (57) और अजय रोहेरा (नाबाद 49) की शानदार पारियों की बदौलत पुडुचेरी ने रविवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के चौथे दिन राजस्थान को पांच विकेट से हरा दिया। आज यहां पुडुचेरी ने कल के दो विकेट पर 51 रन से आगे खेलना शुरु किया।

सुबह के सत्र में मोहित चांगरा ने पुनीत दाते (25) को आउटकर राजस्थान को तीसरी सफलता दिलाई। 31वें ओवर में अजय सिंह ने जसवंत श्रीराम को आउटकर पुडुचेरी को चौथा झटका दिया। जसवंत श्रीराम ने 87 गेंदों में सात चौके लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली।

राममूर्ति राघवन (छह) रन बनाकर मोहित चांगरा का शिकार बने। पुडुचेरी ने 44.1 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। राजस्थान के लिए मोहित चांगरा ने चार विकेट लिये। अजय सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद बीसीबी का बड़ा कदम, बांग्लादेश टी20 कप का किया ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल किए जाने के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने तेजी से प्रतिक्रिया दी है। बोर्ड ने देश के शीर्ष व्हाइट-बॉल खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में बनाए रखने के लिए एक नई घरेलू टूर्नामेंट ओडोमो बांग्लादेश टी20 कप 2026 की घोषणा की है। 'ओडोमो' यानी 'अदम्य' नाम वाला यह टूर्नामेंट सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पुरस्कार राशि, मैच फीस और रणनीतिक नियमों के साथ पूरी तरह प्रतिस्पर्धी इवेंट होगा।

ग्रुप स्टेज के मुकाबले 5, 6 और 7 फरवरी को खेले जाएंगे, जबकि 9 फरवरी को फाइनल आयोजित होगा। हर मैच के दिन शाम 4 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम और शाम 6 बजे से मुकाबले शुरू होंगे।

यह टूर्नामेंट ऐसे समय में हो रहा है, जब बीसीबी ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न जाने का फैसला किया था–एक ऐसा निर्णय जिससे कई खिलाड़ी असहमत बताए गए और अंततः स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में जगह मिली।

बीसीबी ने साफ किया है कि ओडोमो टी20 कप केवल एक 'कंसोलेशन टूर्नामेंट' नहीं होगा। बोर्ड ने 2.5 करोड़ टका (करीब 1.87 करोड़ रुपये) की कुल पुरस्कार राशि और खिलाड़ियों की फीस तय की है। बोर्ड अधिकारियों के मुताबिक, खिलाड़ियों को मैच फीस के साथ अतिरिक्त इंसेंटिव भी दिए जाएंगे, ताकि मुकाबलों की प्रतिस्पर्धा बनी रहे और खिलाड़ी इसे गंभीरता से लें।

ओडोमो टी20 कप में इम्पैक्ट प्लेयर नियम भी लागू किया जाएगा, जिससे टीमों को मैच के दौरान रणनीतिक लचीलापन मिलेगा। इससे घरेलू क्रिकेट में आधुनिक टी20 ट्रेंड्स को अपनाने और खिलाड़ियों की टैक्टिकल समझ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

टूर्नामेंट से पहले बीसीबी 1 फरवरी से शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में फिटनेस कैंप आयोजित करेगा। इसका मकसद खिलाड़ियों को मैच-फिट रखना और प्रतिस्पर्धी लय में लाना है, ताकि वे ग्लोबल इवेंट के दौरान भी उच्च स्तर का प्रदर्शन कर सकें।

बजट से पहले आई खुशखबरी जीएसटी संग्रह से भरा सरकार का खजाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बजट 2026 से पहले जीएसटी वसूली का आंकड़ा आ गया है। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जनवरी में आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि के दम पर 6.2 प्रतिशत बढ़कर 1.93 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

कुल 'रिफंड' में 3.1 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 22, 665 करोड़ रुपए रहा। जनवरी में शुद्ध माल एवं सेवा कर राजस्व में 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह करीब 1.71 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

तंबाकू उत्पादों से उपकर संग्रह जनवरी में 5, 768 करोड़ रुपए रहा। जनवरी, 2025 में यह 13, 009 करोड़ रुपए रहा था, जब कार तथा तंबाकू उत्पादों जैसे विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर उपकर लगाया जाता था।

सरकार ने 22 सितंबर, 2025 से करीब 375 वस्तुओं पर जीएसटी की दरें कम कर दी थीं जिससे सामान सस्ता हो गया। साथ ही, पहले की तरह विलासिता, हानिकारक एवं अहितकर वस्तुओं पर लगने वाले उपकर के बजाय अब केवल तंबाकू तथा संबंधित उत्पादों पर ही क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। जीएसटी दरों में कमी से राजस्व संग्रह पर असर पड़ा है।

जनवरी में घरेलू लेनदेन से सकल कर संग्रह 4.8 प्रतिशत बढ़कर 1.41 लाख करोड़ रुपए हो गया जबकि आयात राजस्व 10.1 प्रतिशत बढ़कर 52, 253 करोड़ रुपए रहा।

शेयर बाजार से लेकर क्रिप्टो, सोना-चांदी सब धड़ाम, निवेशकों को हुआ भारी नुकसान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026 पेश किया लेकिन बजट से शेयर बाजार को खास राहत नहीं मिली। बजट भाषण खत्म होते ही बाजार में जोरदार बिकवाली देखने को मिली और सेंसेक्स एक समय 2, 370 अंक तक लुढ़क गया। हालांकि बाद में बाजार में हल्की रिकवरी आई लेकिन निवेशकों की चिंता बनी रही।

बजट वाले दिन सिर्फ शेयर बाजार ही नहीं, बल्कि सोना, चांदी और क्रिप्टोकरेंसी बाजार भी दबाव में नजर आए। ग्लोबल क्रिप्टो मार्केट में पिछले 24 घंटे के दौरान 18 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की वैल्यू स्वाहा हो गई।

कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो का ग्लोबल मार्केट कैप 6 फीसदी से ज्यादा गिर गया। शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे यह 2.83 ट्रिलियन डॉलर था, जो घटकर 2.63 ट्रिलियन डॉलर रह गया यानी एक दिन में करीब 0.20 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 18 लाख करोड़ रुपए) की गिरावट दर्ज की गई।

बजट 2026 में क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को कोई राहत नहीं दी गई। उम्मीद थी कि सरकार मुनाफे पर लगने वाले 30 फीसदी टैक्स में कटौती करेगी या नुकसान को सेट-ऑफ करने की अनुमति देगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने भी क्रिप्टो बाजार पर दबाव बढ़ाया।

रविवार को शेयर बाजार में आई गिरावट की बड़ी वजह फ्यूचर्स और ऑप्शंस पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स में बढ़ोतरी रही। बजट में इस ऐलान के बाद निवेशकों ने जमकर बिकवाली की। इसका असर बाजार की कुल वैल्यू पर भी पड़ा। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 लाख करोड़ रुपये घटकर 453.87 लाख करोड़ रुपये रह गया।

रविवार को बिटकॉइन की कीमत में भी तेज गिरावट देखने को मिली। 24 घंटे में यह करीब 6 फीसदी टूटकर 80 हजार डॉलर के नीचे आ गया। दोपहर करीब 2 बजे बिटकॉइन 78, 600 डॉलर के आसपास कारोबार करता दिखा। अन्य प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में भी भारी गिरावट आई। इथेरियम 8 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई, सोलाना में भी करीब 8 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पाई नेटवर्क कॉइन 4 फीसदी से ज्यादा टूट गया।

यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड जनवरी में हुआ इतने का ट्रांजैक्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए होने वाला लेनदेन जनवरी महीने में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में यूपीआई के माध्यम से 21.70 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनकी कुल राशि 28.33 लाख करोड़ रुपए रही।

आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में रोजाना औसतन 70 करोड़ यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए। प्रतिदिन औसतन 91, 403 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ। यह दिसंबर के मुकाबले अधिक है, जब रोजाना औसतन 69.8 करोड़ ट्रांजेक्शन और 90, 217 करोड़ रुपए का लेनदेन दर्ज किया गया था।

दिसंबर 2025 में यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या सालाना आधार पर 29इ बढ़कर 21.63 अरब हो गई थी, जबकि ट्रांजैक्शन वैल्यू 20इ बढ़कर 27.97 लाख करोड़ रुपए तक पहुंची थी। जनवरी के आंकड़े इस मजबूत रफ्तार को और पुख्ता करते हैं।

एनपीसीआई के मुताबिक, आईएमपी के जरिए दिसंबर में कुल 6.62 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो सालाना आधार पर 10इ अधिक रहा और नवंबर के 6.15 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा था।

वर्ल्डलाइन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 70.9 करोड़ एक्टिव यूपीआई क्यूआर कोड हो चुके हैं, जो जुलाई 2024 के मुकाबले 21इ की वृद्धि दर्शाता है। वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार, किराना दुकानों, मेडिकल स्टोर्स, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर कोड की आसान उपलब्धता ने 'स्कैन एंड पे' को देशभर में सबसे लोकप्रिय भुगतान माध्यम बना दिया है।

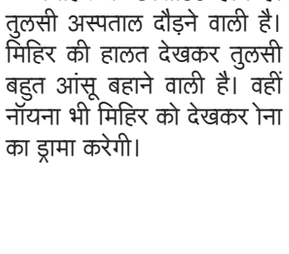

'धुरंधर' देखने के बाद सारा अर्जुन के पेरेंट्स का हुआ था ये हाल, एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

साल 2025 के दिसंबर में सिनेमाघरों में आई फिल्म 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म को वर्ल्डवाइड भी जबरदस्त कलेक्शन किया है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म 'धुरंधर' को बड़े पर्दे पर करीब दो महीने होने जा रहे हैं। ये फिल्म अब तो अब ओटीटी पर दस्तक दे चुकी है। इसी बीच फिल्म की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने एक रिएक्शन दिया है जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'यूफोरिया' के प्रमोशनल में बिजी हैं और इस दौरान बताया है कि फिल्म 'धुरंधर' देखने के बाद उनका माता-पिता का क्या हाल था। आइए जानते हें कि सारा अर्जुन ने क्या बताया है।

सारा अर्जुन ने हाल ही में टीवी प्रेजेंटर सुमा कनाकाला के साथ इंटरव्यू किया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी का सबसे खुशी वाला दिन कौन सा था। सारा अर्जुन ने बताया, 'मेरे माता-पिता खुशी के आंसू रो रहे थे। मेरे लिए ये सबसे खास दिन था। उनकी खुशी देखकर जो महसूस हुआ वो शब्दों में बताना मुश्किल है।' सारा अर्जुन से पूछा गया, 'ये उनकी पढ़ाई से रिलेटेड था।' इस पर एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बिल्कुल नहीं, ये धुरंधर से जुड़ा था।' इस तरह सारा अर्जुन ने बताया है कि उनके माता-पिता का उनकी डेब्यू फिल्म धुरंधर देखकर क्या हाल था। एक्ट्रेस का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है।

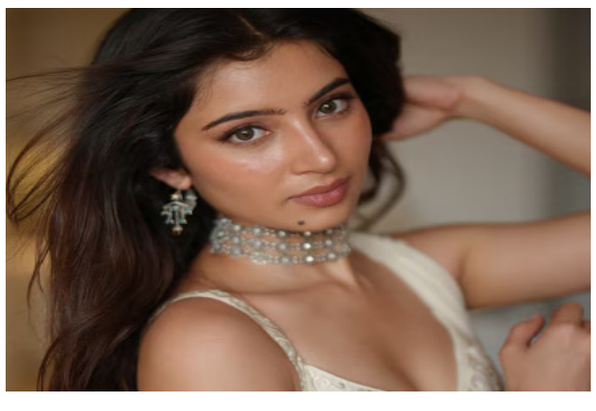

सारा अर्जुन ने अपनी फिल्म इंडस्ट्री की जर्नी को लेकर कहा, 'पोन्नियिन सेल्वन के बाद मैं बोर्डिंग स्कूल गई थी। इसके बाद का प्लान था कि विदेश से एक्टिंग की पढ़ाई करूं। लेकिन उसी दौरान मैजिक साइन कर लिया। फिर मैंने सोचा कि पढ़ाई करती रहूंगी लेकिन जब यूरोफिया ऑफर आया तो कहानी इतनी दिलचस्प थी कि मैं इसका पार्ट बनने से खुद को रोक नहीं पाई। इसके बाद पीएस 2, मैजिक, यूरोफिया और धुरंधर। सच बताऊं तो मैंने धुरंधर साइन की थी तब मैं यूफोरिया की शूटिंग कर रही थी।'

फिल्म 'धुरंधर' में सारा अर्जुन ने पाकिस्तानी राजनेता की बेटी का किरदार निभाया है। उसे भारतीय जासूस (रणवीर सिंह) से प्यार हो जाता है और दोनों शादी कर लेते हैं। आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'धुरंधर' में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन के अलावा संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी जैसे कलाकार हैं।

मौका मिलते ही तीसरा ब्याह रचाएगी परी, कटने वाली है तुलसी की नाक

अमर उपाध्याय और स्मृति ईरानी के सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में कोर्टरूम ड्रामा खत्म हो चुका है। परी को लग रहा था कि रणविजय को तलाक देकर वो बच जाएगी। हालांकि रणविजय ने तो कुछ और ही प्लान बना रखा है। रणविजय अब गरिमा को मोहरा बनाकर परी को परेशान कर रहा है। सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में अब तक आपने देखा, रणविजय परी की कस्टडी मिलते ही परी को परेशान करना शुरू कर देता है। ऐसे में मिहिर अपनी बेटी को सपोर्ट करता है। परी भी रणविजय के साथ रहने के लिए राजी हो जाती है। इसी बीच सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की कहानी में एक और बड़ा बदलाव आने वाला है।

सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे, तुलसी को मदद करते देखकर परी का पहली बार दिल पिघलेगा। इस बार सच में परी तुलसी को अपनी मां का दर्जा देगी।

मिहिर भी तुलसी पर भरोसा दिखाने वाला है। हालांकि अपने अतीत को भुला नहीं पाएगी। तुलसी एक बार फिर से मिहिर को नजरअंदाज करेगा। तुलसी की ये बेरुखी मिहिर को परेशान करेगी।

खबर आ रही है कि रणविजय से पीछा छुड़ाने के लिए परी अपने पहले पति अजय के साथ शादी करने वाली है। ऐसा होते ही रणविजय के सीने पर सांप लोट जाएंगे।

मिहिर को पता चलेगा कि उसकी कंपनी बिकने वाली है। अपना गम कम करने के लिए मिहिर शराब पीने वाला है। इस दौरान मिहिर का एक भयंकर एक्सीडेंट होने वाला है।

मिहिर के एक्सीडेंट होते ही तुलसी अस्पताल दौड़ने वाली है। मिहिर की हालत देखकर तुलसी बहुत आंसू बहाने वाली है। वहीं नॉयना भी मिहिर को देखकर ोना का ड्रामा करेगी।

हुमायूं कबीर के नफरत भरे भाषण कबूलनामे पर भाजपा का वार, यह टीएमसी का प्लान बी है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष और पार्टी सांसद सामिक भट्टाचार्य ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। यह हमला तब हुआ जब टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूं कबीर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर 2024 के चुनाव में अपने नफरत भरे भाषण को भड़काने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए भट्टाचार्य ने टीएमसी और जन उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर दोनों पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया और इसे टीएमसी की 'प्लान बी' बताया। उन्होंने कहा कि यह तृणमूल कांग्रेस की प्लान बी है। हुमायूं टीएमसी है और टीएमसी हुमायूं है। ममता बनर्जी कट्टरपंथियों के आगे झुकती हैं। वह समाज को धार्मिक आधार पर बांटना चाहती हैं और फिर चुनाव कराना चाहती हैं।

आज सुबह भाजपा नेता अमित मालवीय ने पूर्व टीएमसी नेता हुमायूं कबीर के इस दावे की आलोचना की कि ममता बनर्जी ने उन्हें 2024 में नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए उकसाया था। मालवीय ने नफरत फैलाने वाले भाषण से धमकियों और फिर राजनीतिक प्रोत्साहन के दावे तक बात पहुंचने की कड़ी निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में मालवीय ने शनिवार को मुर्शिदाबाद में एक कार्यक्रम में कबीर द्वारा दिए गए बयान का हवाला देते हुए हिंदुओं के खिलाफ उनके नफरत भरे भाषण की आलोचना की। मालवीय ने लिखा, 'ममता बनर्जी ने मुझे यूसुफ पठान की जीत सुनिश्चित करने के लिए हिंदुओं के खिलाफ नफरत भरे भाषण देने के लिए कहा था - टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर। यह वही हुमायूं कबीर हैं जिन्होंने 2024 में खुलेआम धमकी दी थी कि वे हिंदुओं को भागीरथी नदी में फेंक देंगे। इस बात पर गौर करें। नफरत फैलाने वाला भाषण। धमकियां। और अब यह दावा कि इसे राजनीतिक प्रोत्साहन दिया गया था।

कार्यक्रम के पहले भाग में कबीर ने 2024 में हिंदुओं के खिलाफ की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी और आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के लिए टीएमसी के प्रचार के दौरान यूसुफ पठान की जीत सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर उन्हें यह भाषण देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी हिंदुओं से नफरत नहीं की और न ही जानबूझकर कभी ऐसा कुछ करेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे खेद है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शब्दों को ध्यान में रखते हुए, मैंने अपने हिंदू भाइयों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। मैं अपने उस बयान के लिए तहे दिल से माफी मांगता हूं। हुमायूं कबीर कभी भी जानबूझकर ऐसा कुछ नहीं कहेंगे। जब गुस्सा शांत हो जाएगा, तो आप समझ जाएंगे कि आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं। 1 मई 2024 को दिए गए बयानों के लिए मुझे खेद है। कई हिंदू मानते हैं कि मैं हिंदुओं से नफरत करता हूं, लेकिन 63 साल की उम्र में, 42 साल के राजनीतिक अनुभव के साथ, मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने केंद्रीय बजट को बताया 'संकल्प से सिद्धि', बोले- यह विकसित भारत 2047 का रोडमैप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' बताया। नितिन नबीन ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रस्तावित योजनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनसे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मैं कर्तव्य भवन में तैयार किए गए बजट का स्वागत करता हूं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा नौवीं बार बजट पेश करना भाजपा की नीतिगत स्थिरता और सुशासन को दर्शाता है। यह बजट प्रधानमंत्री मोदी के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' का सिद्धांत इस बजट में झलकता है। साथ ही, यह विकसित भारत 2047 के लिए 'संकल्प से सिद्धि' वाला बजट है।

नितिन नबीन ने कहा कि वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद, भारत 7 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है। यह दर्शाता है कि हमने अपने जीडीपी को कैसे मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को कैसे नियंत्रित किया है। बजट में गहराई है। यह युवाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट है। विनिर्माण इकाइयों को बढ़ावा दिया जा रहा है और

रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर में 40,000 करोड़ रुपये और बायो फार्मा में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश इस सोच को दर्शाता है कि हम रोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हैं।

आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 40,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) 2.0 की शुरुआत की घोषणा की, जिसका उद्देश्य देश के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य उपकरण और सामग्री का उत्पादन करना, पूर्ण-स्टैक भारतीय बौद्धिक संपदा का डिजाइन तैयार करना और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करना है। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए, वित्त मंत्री ने बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल और महत्वपूर्ण खनिजों के निर्माण में उपयोग होने वाली पूंजीगत वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क छूट का प्रस्ताव रखा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि मैं परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आवश्यक वस्तुओं के आयात पर मूल सीमा शुल्क छूट को 2035 तक बढ़ाने और इसे सभी परमाणु संयंत्रों के लिए, उनकी क्षमता की परवाह किए बिना, विस्तारित करने का प्रस्ताव करती हूं। वित्त मंत्री ने आगे कहा, 'मैं बैटरी के लिए लिथियम-आयन सेल बनाने में इस्तेमाल होने वाली पूंजीगत वस्तुओं पर दी जाने वाली मूल सीमा शुल्क छूट को बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए लिथियम-आयन सेल बनाने में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं पर भी लागू करने का प्रस्ताव करता हूं। मैं सौर कांच के निर्माण में उपयोग होने वाले सोडियम एंटीमोनेट के आयात पर मूल सीमा शुल्क छूट देने का प्रस्ताव करता हूं। भारत में महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण के लिए आवश्यक पूंजीगत वस्तुओं के आयात पर भी मूल सीमा शुल्क छूट देने का प्रस्ताव है।'

फोन टैपिंग मामला : एसआईटी के शिकंजे में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर, पूछताछ के खिलाफ बीआरएस का राज्यव्यापी बवाल

अमरावती। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रमुख और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) रविवार को अपने एर्रावल्ली स्थित फार्महाउस से हैदराबाद स्थित अपने आवास के लिए रवाना हुए, जहां वे फोन टैपिंग मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही पूछताछ में शामिल होंगे। यह घटना फोन टैपिंग मामले की जांच कर रही एसआईटी द्वारा 30 जनवरी को तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को नए नोटिस जारी करने के बाद हुई है। केसीआर के बेटे केटी रामाराव और भतीजे टी हरीश राव सहित कई बीआरएस नेताओं से पहले ही एसआईटी ने इस मामले में पूछताछ की थी। दोपहर 3 बजे निर्धारित पूछताछ से पहले हैदराबाद के नंदी नगर स्थित केसीआर के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

एसआईटी जांच के जवाब में बीआरएस ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना सरकार के खिलाफ असहमति जताने के लिए काले बैज लगाए। राज्य भर में प्रदर्शन हुए, जिनमें पार्टी ने कथित फोन टैपिंग मामले में अपने प्रमुख से पूछताछ का विरोध जताया।फोन टैपिंग का मामला तब सामने आया जब पूर्व डीसीपी पी. राधाकृष्ण राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान मीडिया जगत के दिग्गजों, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं के फोन

की निगरानी की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर नजर रखने के लिए किया गया था। इस कथित फोन टैपिंग मामले में चंद्रशेखर राव ने सहायक पुलिस आयुक्त पी. वेंकटगिरी को पत्र लिखकर कहा कि वे कल दोपहर 3 बजे पूछताछ के लिए उपलब्ध रहेंगे।

उन्होंने दावा किया कि उन्हें भेजा गया नोटिस अवैध था। 30 जनवरी, 2026 को लिखे अपने पत्र में केसीआर ने दावा किया कि नोटिस कानूनी आवश्यकताओं के अनुसार नहीं भेजा गया था, इसे 'अवैध' बताया और कहा कि वे इसे 'अनदेखा' कर सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि नोटिस भेजना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनकी गरिमा और अनुच्छेद 14 के तहत समानता के उनके अधिकार का उल्लंघन है।

राजस्थान में बड़ा हादसा: कारखाने में फटा ऑक्सीजन सिलेंडर, धमाके में 3 मजदूरों की मौके पर ही मौत

जयपुर। क्षेत्र में स्थित एक कारखाने में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की घटना में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शनिवार रात विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र के करणी विहार कॉलोनी स्थित कारखाने में उस समय हुआ, जब सिलेंडर में ऑक्सीजन भरी जा रही थी तभी एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि कारखाने पर लगी टिन शेड उड़ गई और एक दीवार भी ढह गई। पुलिस ने बताया कि एक कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई, जिसकी पहचान झारखंड निवासी मुन्ना राय के रूप में हुई है। विश्वकर्मा थाना प्रभारी रविन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि हादसे में मुरलीपुरा निवासी कारखाना प्रबंधक विनोद गुप्ता (45) और झारखंड निवासी कर्मचारी शिबू उर्फ अनुवा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि विनोद को मणिपाल अस्पताल और शिबू को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

प्रफुल्ल पटेल ने पार्टी अध्यक्ष बनने की खबरों को किया खारिज कहा- 'एनसीपी लोकतांत्रिक तरीके से चुनेगी अपना नया नेता'

मुम्बई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कद्दावर नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर जारी अटकलों पर अब विराम लग गया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने रविवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से निराधार बताया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वे पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने जा रहे हैं।

एक बयान में, पटेल ने कहा कि एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति के बारे में मीडिया रिपोर्ट्स 'पूरी तरह से निराधार' हैं और उनमें 'कोई सच्चाई नहीं है'। पटेल ने कहा, 'मैंने मीडिया में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरी नियुक्ति के बारे में चल रही कुछ रिपोर्ट्स देखी हैं। मैं पूरी स्पष्टता के साथ कहना चाहता हूं कि ये रिपोर्ट्स पूरी तरह से निराधार हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है।'

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि पार्टी अपनी लीडरशिप चुनने के लिए अपनी स्थापित आंतरिक प्रक्रिया का पालन करेगी। उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एक लोकतांत्रिक संस्था है। इतने बड़े फैसले हमारे सीनियर लीडरशिप और विधायकों से सलाह करके, हमारे समर्पित पार्टी पदाधिकारियों के साथ बातचीत करके, और हमारे सभी पार्टी सदस्यों की भावनाओं और सामूहिक इच्छा का सम्मान करके ही लिए जाएंगे। एक राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते, हम इन मामलों में स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हैं।'

यह स्पष्टीकरण अजीत पवार (66) की मौत के कुछ दिनों बाद आया है, जो एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री थे, जिनकी 28 जनवरी को अपने गृहनगर बारामती में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। उनकी अचानक मौत से पार्टी की भविष्य की लीडरशिप और दिशा को लेकर ज़ोरदार अटकलें शुरू हो गई हैं। इसके तुरंत बाद, अजीत पवार की पत्नी, सुनेत्रा पवार को एनसीपी विधायक दल का नेता चुना गया और उन्हें उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी के कुछ हिस्सों से यह मांग उठी कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद भी संभालना चाहिए।

इस बीच, अजीत पवार की मौत ने एनसीपी के दोनों गुटों के बीच चल रही बातचीत को भी प्रभावित किया है। विलय की बातचीत, जो एक उन्नत चरण में पहुँच गई थी, अब ठंडे बस्ते में चली गई है।

बांग्लादेश में अवामी लीग लीडर की जेल में संदिग्ध मौत

छात्र नेता की नृशंस हत्या! अंतरिम सरकार पर उठे गंभीर सवाल

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग से जुड़े दो नेताओं की अलग-अलग घटनाओं में मौत ने अंतरिम सरकार और कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी नेताओं और परिजनों का आरोप है कि यह घटनाएं राजनीतिक दमन और लक्षित हिंसा का नतीजा हैं। चटगांव में अवामी लीग के वरिष्ठ नेता अब्दुर रहमान मिया (70) की जेल हिरासत में मौत हो गई। वे चटगांव सिटी अवामी लीग की वार्ड-24 (नॉर्थ अग्राबाद) इकाई के उपाध्यक्ष थे। परिजनों के अनुसार, मिया को उन्नत फेफड़ों के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियां थीं, इसके बावजूद उन्हें जमानत नहीं दी गई और उचित चिकित्सा भी उपलब्ध नहीं कराई गई।

बताया गया है कि 17 नवंबर 2025 को उन्हें उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे नमाज पढ़ने के लिए घर से निकल रहे थे और चलने में भी असमर्थ थे। पुलिस ने उन्हें कोतवाली थाने में दर्ज एक मामले में हिरासत में लिया। परिवार का कहना है कि उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और तीन महीने बाद हिरासत में ही उनकी मौत हो गई। अब तक अधिकारियों की ओर से मौत के कारणों पर कोई विस्तृत बयान जारी नहीं किया गया है। दूसरी घटना नरसिंदी जिले की है, जहां अज़ीमुल कादेर भुइयां (45) का क्षत-विक्षत शव एक नाले से

बरामद किया गया। वे पेशे से पोल्ट्री व्यवसायी थे और पहले अवामी लीग की छात्र शाखा छात्र लीग से जुड़े रहे थे। अवामी लीग नेताओं ने आरोप लगाया कि हत्या में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े तत्वों का हाथ हो सकता है और अंतरिम सरकार ने दंडमुक्ति का माहौल बना दिया है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल किसी राजनीतिक साजिश की पुष्टि नहीं की है और जांच जारी बताई है। इन दोनों घटनाओं के बाद विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों ने मनमानी गिरफ्तारियों, हिरासत में मौत और राजनीतिक हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है ताकि जिम्मेदारी तय हो सके और कानून का राज बहाल हो।

बांग्लादेश में भीड़ हिंसा का कहर : जनवरी में पीट-पीटकर 21 लोगों की हत्या, 257 महिलाओं व बच्चों पर अत्याचार

ढाका। बांग्लादेश में जनवरी महीने के दौरान भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और जेल हिरासत में मौतों की घटनाओं में खतरनाक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मानवाधिकार संगठन मानबाधिकार शोंग्स्कृति फाउंडेशन (श्एइ) की मासिक रिपोर्ट ने देश की कानून-व्यवस्था और मानवाधिकार हालात को 'खतरनाक और जटिल' करार दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में भीड़ हिंसा में कम से कम 21 लोगों की मौत हुई, जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या 10 थी। एमएसएफ ने कहा कि भीड़ हिंसा पर राज्य की ओर से ठोस और सख्त कार्रवाई न होने से दंडहीनता की संस्कृति को बढ़ावा मिला है, जिससे आम जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर हुआ है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि अज्ञात शवों की बरामदगी में इजाफा हुआ है।

जनवरी में 57 अज्ञात शव मिले, जबकि दिसंबर में यह संख्या 48 थी।जेल हिरासत में मौतें भी गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं। जनवरी

में 15 कैदियों की जेल में मौत हुई, जबकि दिसंबर में यह आंकड़ा 9 था। इसके अलावा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की हिरासत में दो लोगों की मौत की भी रिपोर्ट सामने आई। एमएसएफ ने इन मौतों के लिए चिकित्सकीय लापरवाही, अमानवीय हालात और जेल प्रशासन की खामियों को जिम्मेदार ठहराया। आगामी 13वें राष्ट्रीय चुनाव से पहले राजनीतिक हिंसा में भी तेजी देखी गई। जनवरी में चुनावी झड़पों में चार लोगों की मौत और 509 लोग घायल हुए, जबकि दिसंबर में सिर्फ एक मौत दर्ज की गई थी।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि राजनीतिक मामलों में अज्ञात व्यक्तियों को आरोपी बनाए जाने की प्रवृत्ति खतरनाक रूप से बढ़ी है। दिसंबर में जहां 110 अज्ञात आरोपी दर्ज किए गए थे, वहीं जनवरी में यह संख्या बढ़कर 320 हो गई। इसके साथ ही महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा की स्थिति भी बेहद चिंताजनक रही। जनवरी में 257 मामले दर्ज किए गए, जिनमें 34 बलात्कार और 11 सामूहिक बलात्कार के मामले शामिल हैं। अल्पसंख्यक समुदायों पर हमले भी बढ़े हैं। मंदिरों और मूर्तियों में चोरी, तोड़फोड़ और नुकसान की 21 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि दिसंबर में यह संख्या सिर्फ छह थी। एमएसएफ ने सरकार से सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की तत्काल और निष्पक्ष जांच कराने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि न्याय व्यवस्था पर भरोसा बहाल हो सके।

खामेनेई की कड़ी चेतावनी : अमेरिका ने हमला किया तो बुरा होगा अंजाम, पूरे पश्चिम एशिया तक फैलेगी जंग की आग

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वाशिंगटन ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, तो यह संघर्ष सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में लेने वाला क्षेत्रीय युद्ध बन जाएगा। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार, खामेनेई ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'अमेरिकियों को यह जान लेना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा।' खामेनेई की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी दे चुके हैं। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका वास्तव में हमला करेगा या नहीं, लेकिन खामेनेई के बयान को सीधी और गंभीर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

खामेनेई ने कहा कि ईरान किसी भी देश पर हमला करने की पहल नहीं करता और न ही वह युद्ध चाहता है। उन्होंने जोड़ा, 'हम उकसाने वाले लोग नहीं हैं, लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी हमले या उत्पीड़न का करारा जवाब देगा।' इस बयान से संकेत मिलता है कि ईरान अमेरिका या उसके सहयोगियों की किसी भी कार्रवाई का जवाब केवल सीधे तौर पर नहीं, बल्कि अपने क्षेत्रीय प्रभाव और सहयोगी गुटों के जरिए भी दे सकता है। विश्लेषकों के अनुसार, ईरान की चेतावनी का मतलब है कि संघर्ष केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा।

इराक, सीरिया, लेबनान, यमन और खाड़ी क्षेत्र, ईरान समर्थित सशस्त्र गुट, इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकाने, इन सभी के युद्ध में घसीटे जाने की आशंका है। यही वजह है कि खामेनेई 'क्षेत्रीय युद्ध' शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। ईरान-अमेरिका टकराव की आशंका ने पहले से अस्थिर पश्चिम एशिया में चिंता बढ़ा दी है। कूटनीतिक हल की संभावनाओं के बीच यह बयान संकेत देता है कि अगर हालात बिगड़े, तो इसका असर तेल बाजार, वैश्विक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीति तक पड़ेगा।

अल्लाह का नाम लेकर महिलाओं पर बांग्लादेशी नेता ने जो कहा, सब हैरान!

ढाका। बांग्लादेश से एक ऐसा नया बयान सामने आया है जिसने पूरी दुनिया को हैरान करके रख दिया है। यह बयान सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि महिलाओं की भूमिका, उनकी सुरक्षा और उनके अधिकारों पर सीधा सवाल खड़ा करता है। एक बार फिर से बांग्लादेश की राजनीति में कट्टरपंथी सोच खुलकर सामने आ गई है और यह बयान आया है कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी जमात इस्लामी के प्रमुख शफीक उर रहमान की तरफ से। तो सवाल सीधा उठता है कि जिस देश को दशकों तक महिलाओं ने लीड किया वहीं पर आज महिला नेतृत्व को असंभव बताया जा रहा है। दरअसल जमात इस्लामी प्रमुख शफीक उर रहमान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी कट्टरपंथी सोच का एक नमूना पेश किया। उन्होंने बयान देते हुए यह कहा कि हमारी पार्टी में कभी भी कोई महिला प्रमुख नहीं बन सकती। उन्होंने इसके पीछे धार्मिक दायित्व और जैविक सीमाओं को उनका तर्क दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अल्लाह ने पुरुष और महिलाओं को अलग-अलग बनाया है। पुरुष बच्चे पैदा नहीं कर सकते। उनका ख्याल नहीं रख सकते और वहीं जो यह काम है वो महिला कर सकती है। जो पुरुष नेता है वह अच्छे से बाहर के काम संभाल सकता है। लेकिन महिला नेता वह काम नहीं कर सकती। इसलिए महिलाओं का जो नेतृत्व है वो बच्चों के लिए है। वह घर के लिए है। यह बयान बता दें कि ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश में महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर पहले से ही गंभीर बहस चल रही है।

एपस्टीन दस्तावेजों से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भूचाल स्लोवाकिया के शीर्ष अधिकारी ने दिया इस्तीफा

न्यूयॉर्क। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इन खुलासों के चलते स्लोवाकिया के शीर्ष अधिकारी और संयुक्त राष्ट्र महासभा के पूर्व अध्यक्ष मिरोस्लाव लाजैक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिसे देश के प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को एपस्टीन से संबंधित कई अहम फाइलें सार्वजनिक कीं, जिनमें उसके दुनिया भर के अमीर और प्रभावशाली लोगों से संपर्कों का विवरण शामिल है। ये फाइलें उस अवधि से जुड़ी हैं, जब एपस्टीन फ्लोरिडा में यौन अपराधों के मामले में सजा काट चुका था।

हालांकि लाजैक पर किसी भी तरह के गैरकानूनी कृत्य का आरोप नहीं है, लेकिन एपस्टीन के जेल से रिहा होने के बाद दोनों की मुलाकातों से जुड़ी तस्वीरें और ईमेल सामने आने के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने का फैसला किया। इन खुलासों के बाद ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को लेकर भी बहस तेज हो गई है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने संकेत दिया कि प्रिंस एंड्रयू को एपस्टीन की गतिविधियों से जुड़ी जो भी जानकारी है, उसे अमेरिकी जांच एजेंसियों के साथ साझा करना चाहिए। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दस्तावेजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने फाइलें खुद नहीं देखीं, लेकिन उन्हें बताया गया है कि ये दस्तावेज उन्हें दोषमुक्त करते हैं और कुछ वामपंथी हलकों की उम्मीदों के बिल्कुल उलट हैं।

न्याय मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी रिकॉर्ड में प्रिंस एंड्रयू, ट्रंप के पूर्व सलाहकार स्टीव बैनन, न्यूयॉर्क जायंट्स के सह-मालिक स्टीव टिस्क, अरबपति बिल गेट्स, एलन मस्क, इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहूद बराक, गूगल के सह-संस्थापक सर्गी ब्रिन और कई अन्य प्रमुख नामों से जुड़ा पत्राचार शामिल है। दस्तावेजों के अनुसार, एफबीआई ने जुलाई 2006 में एपस्टीन के खिलाफ जांच शुरू की थी। रिकॉर्ड यह भी पुष्टि करते हैं कि एपस्टीन के अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और डोनाल्ड ट्रंप दोनों के साथ व्यक्तिगत संबंध थे।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।